हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार, 23 नवंबर 2025

तापमान
अधिकतम 25.0 डिग्री
न्यूनतम 9.0 डिग्री

12 नगर कीर्तन यात्रा में उमड़ा भक्तिभाव का जनसैलाब

12 गौरवपूर्ण यात्रा को समर्पित सांस्कृतिक कार्यक्रम...

खबर संक्षेप

गीता जयंती महोत्सव को लेकर बैठक कल

जींद। नगराधीश मोनिका ने बताया कि 24 नवंबर को स्थानीय लघु सचिवालय मे दोपहर 12 बजे डीसी मोहम्मद इमरान रजा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक का आयोजन किया जायेगा। संबंधित अधिकारी समय पर पंहुचना सुनिश्चित करें।

लुटेरों ने कैथल से बाइक रेहडी छीनी

कैथल। कैथल के प्योदा ड्रेन के निकट से लुटेरे एक व्यक्ति की बाइक रेहडी छीन कर फरार हो गए। रबारियां मौहल्ला कैथल के सिंदर ने थाना तितरम पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 19 नवंबर को जब वह अपनी बाइक रेहडी के साथ प्योदा ड्रेन के निकट से जा रहा था तो एक अज्ञात व्यक्ति उसके साथ मारपीट करते हुए उसकी रेहडी छीन ली तथा वहां से फरार हो गया।

दुकान का टूटा ताला तीन पर चोरी का केस

जींद। गांव कुचराना कलां में दुकान का ताला तोड़ कर नगदी व सामान चोरी करने पर अलेवा थाना पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कुचराना कलां निवासी अजय ने शिकायत में बताया कि गांव के ही अजय व उसके दो साथियों ने दुकान का ताला तोड़ कर नगदी व सामान को चोरी कर लिया।

कैथलः मारपीट में एक घायल, शिकायत दर्ज

कैथल। कैथल के कुतुबपुर रोड पर हुई मारपीट में एक व्यक्ति घायल हो गया। उसे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। गांव भानपुरा के सुरेश कुमार ने थाना शहर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 20 नवंबर को जब वह कुतुबपुर रोड से जा रहा था हैफेड के गोदाम के पास पहुंचा तो टिंकू, ने साथी के साथ मिलकर लाठी डंडे तथा लोहे की राड से हमला करते उसे घायल कर दिया।

मोबाइल चोरी करने के दो आरोपित गिरफ्तार

जींद। रेलवे पुलिस ने मोबाइल चोरी करने के दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान न्यू बस्ती नरवाना निवासी प्रिंस और बंटी के रूप में हुई है। शनिवार को अदालत में पेश किया। जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। झज्जर के बहादुरगढ़ के नेताजी नगर निवासी हैप्पी ने पुलिस एफआईआर में बताया कि 21 नवंबर को वह किसी काम से जींद आया था।

पुरानी पेंशन बहाली के समर्थन में रैली 25 को

कैथल। पुरानी पेंशन बहाली संघर्ष समिति के आह्वान पर दिल्ली में 25 नवंबर को पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली के समर्थन में रैली आयोजित की जाएगी। रैली में लाखों सरकारी कर्मचारी और विभिन्न यूनियनों के पदाधिकारी शामिल होंगे। खंड कलायत के प्रधान ईश्वर सिंह ने कहा कि नई पेंशन योजना कर्मचारियों के भविष्य के साथ अन्याय करती है।

स्कूटी चोरी कर उसमें रखे 4 लाख रुपए उड़ाए

कैथल। अमृत मार्केट में चोर ने युवक की स्कूटी चोरी कर उसमें रखे 4 लाख उड़ा लिए। सिविल लाइन थाना में दी गई शिकायत में कैथल के सेक्टर 19 निवासी मनोज मलिक ने दी शिकायत में बताया कि 17 नवंबर को वह अपने किसी काम से अमृत मार्केट में अपने दोस्त की दुकान पर गया था।

दुकानदार के गल्ले से 12 हजार की नकदी उड़ाई

कैथल। कैथल के प्योदा रोड गैस एजेंसी के पास निकट स्थित एक दुकान से चोर गल्ले से 12000 रुपये की नकदी चुरा कर ले गए। गांव कोटडा के अंकित ने सिविल लाइन कैथल पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह प्योदा रोड स्थित गैस एजेंसी के पास दुकान करता है।

नागरिक अस्पताल में 12 ऑपरेशन, शिविर के अंतिम दिन 12 सर्जरी

नागरिक अस्पताल में आयुष्मान सर्जिकल सप्ताह बन रहा वरदान

शिविरों के आयोजन से स्वास्थ्य सेवाओं पर आमजन का विश्वास और बढ़ा

शिविर में गॉलब्लैडर, हर्निया सहित किए गए अन्य आपरेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना के तहत लगाए गए पांच दिवसीय सर्जरी शिविर लोगों के लिए वरदान साबित हुआ। शिविर का शनिवार को अंतिम दिन रहा और कुल 12 सर्जरी की गई। शिविर गत 17 नवंबर से शुरू हुआ था। 17 नवंबर को 29, 18 नवंबर को 12 तथा 19 नवंबर को 10, 20 नवंबर को जींद तथा नरवाना अस्तपाल में 29 सर्जरी की गई। 21 नवंबर को शिविर में 13 मरीजों के सफल ऑपरेशन किए गए। वहीं 22 नवंबर शनिवार को भी 12 मरीजों की सर्जरी हुई। आयुष्मान भारत योजना सर्जिकल सप्ताह में कुल 105 सर्जरियां की गई। आयुष्मान भारत योजना सर्जिकल सप्ताह के लिए तैयार किए पांच आप्रेशन थिएटर आयुष्मान भारत योजना सर्जिकल सप्ताह के लिए स्पेशल तौर पर पांच आप्रेशन थिएटर तैयार किए गए थे। शिविर में उन बीमारियों का उपचार किया गया, जिनके ऑपरेशन जिले के निजी अस्पतालों में कुछ समय से बंद चल रहे थे। ऐसे में यह शिविर मरीजों के लिए बड़ी राहत लेकर आया। अस्पताल की ओटी टीम दो शिफ्टों में निरंतर कार्य करती रही और बाकायदा रोस्टर के हिसाब से चिकित्सकों की डयूटी लगाई गई थी। शिविर में गॉलब्लैडर, हर्निया सहित किए गए अन्य आप्रेशनः शिविर में किए गए ऑपरेशनों में गॉलब्लैडर, हर्निया, स्त्री रोग संबंधी समस्याएं, ऑर्थोपेडिक प्रक्रियाएं और अन्य सामान्य सर्जरी शामिल हैं। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि आयुष्मान योजना के तहत आने वाले मरीजों को न केवल निशुल्क ऑपरेशन की सुविधा दी जा रही है बल्कि आवश्यक इम्प्लांटए दवाइयां और सभी उपकरण भी पूरी तरह मुफ्त उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। मरीजों को भर्ती से लेकर डिस्चार्ज तक किसी भी तरह का शुल्क नहीं देना पड़ा। कई ऐसे मरीज थे जो निजी अस्पतालों में महंगे उपचार के कारण अपना ऑपरेशन लंबे समय से टाल रहे थे। आयुष्मान शिविर ने उन्हें उपचार का अवसर दिया। सरकारी अस्पतालों में ऐसे शिविरों के आयोजन से स्वास्थ्य सेवाओं पर आमजन का विश्वास और बढ़ा।

जींद। अस्तपाल में आपरेशन थिएटर के बाहर लोग। फोटो :हरिभूमि

संख्या अपेक्षा से अधिक

शिविर के पहले ही दिन मरीजों का पंजीकरण तेज गति से शुरू हुआ और दो दिनों में ही संख्या अपेक्षा से अधिक हो गई। भारी संख्या में आए मरीजों को देखते हुए जिनका ऑपरेशन शिविर अवधि में संभव नहीं हो पाया, उन्हें आगामी तारीख देकर बुलाया गया ताकि किसी का उपचार अधूरा न रह सके।

सौ से अधिक आपरेशनः पीएमओ

पीएमओ डा. रघुवीर पूनिया ने बताया कि आयुष्मान सर्जिकल सप्ताह के तहत सौ से अधिक सर्जरियां की गई हैं। आयुष्मान योजना के तहत मरीजों को पूरी तरह निशुल्क, गुणवत्तापूर्ण और समयानुसार उपचार उपलब्ध करवाया गया है। निजी अस्पतालों में आयुष्मान के तहत जिन बीमारियों के आप्रेशन बंद हुए थे, उनके आप्रेशन अस्पताल में निशुल्क किए गए हैं।

सामान निःशुल्क उपलब्ध करवाय

मरीजों को समय पर उपलब्ध करवाई निशुल्क इम्पलांट व दवाइयां नागरिक अस्पताल में विशेषज्ञ मरीजों से आयुष्यमान योजना के उपचार में प्रयोग होने वाली सभी दवाइयां व इम्पलांट की आगामी छह माह की सूची अनुसार मांगा गया। आयुष्मान पैनल में आने वाले मरीजों को सरकार के निर्देशानुसार सभी इम्पलांट, दवाइयां और अन्य आवश्यक सामान निशुल्क उपलब्ध करवाया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों को निर्देश दिए गए थे कि समय रहते नियमित तौर पर इस्तेमाल होने वाले इम्पलांट, दवाओं और सभी जरूरी सामानों की छह माह की अग्रिम मांग सूची तैयार की जाए ताकि परेशानी न हो।

जींद। बैठक करते आशा वर्कर्स। फोटो :हरिभूमि

प्रदर्शन में आशा वर्कर्स लेंगी बढ़चढ़ कर भाग

चारों लेबर कोड्स को रद करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

मजदूर भवन धागा मील कॉलोनी में आशा वर्कर्स यूनियन हरियाणा की बैठक जिला प्रधान नीलम की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन जिला सचिव राजबाला ने किया। बैठक में यूनियन ने फैसला लिया कि भाजपा सरकार की मजदूर व कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ देशभर में 26 नवंबर को होने वाले जिलास्तरीय प्रदर्शन में जिला की तमाम आशा वर्कर्स एवं फैशलिटेटर पूरे जोश और हौसलों के साथ बढ़चढ़ कर भाग लेगी। साथ ही आठ दिसंबर को केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के आवास पर करनाल में महापड़ाव में भी बड़ी संख्या में हिस्सेदारी करेगी। बैठक को सीटू जिला सचिव संदीप जाजवान ने संबोधित करते बताया कि भाजपा सरकार देश की मेहनतकश जनता के साथ बड़ी धोखेबाजी और उनकी मेहनत की लूट कर रही है।

सरकार न्यूनतम वेतन नहीं बढ़ा रही

सरकार न्यूनतम वेतन नहीं बढ़ा रही। चार लेबर कोड्स को कल से पूरे देश में लागू कर दिया। इन लेबर कोड्स के लागू होने से अब मेहनत करने वाली जनता पूंजीपतियों की गुलाम बनकर रहा जाएगी। सामाजिक सुरक्षा, न्यूनतम वेतन सब कुछ छीन लिया जाएगा। आशा वर्कर्स 26 नवंबर को जिला स्तरीय विशाल प्रदर्शन में कंधे से कंधा मिलाकर बढ़चढ़ कर भाग लेगी और आठ दिसंबर को झरनाल में होने वाले महापडाव में भी हिस्सेदारी करेगी। उन्होंने मांग की कि विरोध के बावजूद लागू किए गए चारों लेबर कोड्स को रद्द किया जाए और पुराने श्रम कानून बहाल किए जाए। न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये लागू हो और हड़ताल के दौरान का मानदेय जारी हो ।

कैथलः नौकरी का लालच देकर बैंक खाते खुलवाने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

- दो सदस्यों को थाना साइबर क्राइम पुलिस ने काबू किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

आमजन से बैंक खाते और सिमकार्ड खुलवाकर ऑनलाइन ठगी में इस्तेमाल करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को थाना साइबर क्राइम पुलिस ने काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की पाडला हाल भगत सिंह कॉलोनी कैथल निवासी कविता की शिकायत अनुसार उसके पति को शराब के ठेके पर एक अनजान युवक मिला था। युवक ने बातचीत के दौरान उसके पति को बताया कि वह उसकी पत्नी को 15,000 रुपये मासिक वेतन पर नौकरी दिलवा सकता है। इसी बहाने उसका पति उसको लेकर पेहवा चौक पहुंचा जहां वे उस युवक से मिले। युवक ने कविता को विश्वास में लेते कहा कि नौकरी के लिए औपचारिकताएं जरूरी हैं, जिसमें बैंक खाते खुलवाना और सिम कार्ड लेना शामिल है। कविता ने उसकी बातों में आकर अपना आधार कार्ड, पैन कार्ड और फोटोग्राफ उसे दे दिए। उक्त युवक ने कविता को लेकर कई बैंकों में खाते खुलवाए और सभी खातों की किट अपने पास रख ली। मोबाइल नंबर रजिस्टर करने के बहाने उन्होंने उसका मोबाइल फोन भी अपने कब्जे में ले लिया जिसमें उसका एचडीएफसी बैंक खाता लिंक था।

साइबर ठगों ने हैफेड में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर से 79. 29 लाख रुपये ठगे

आनलाइन ट्रेडिंग के माध्यम से बनाया निशाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर हैफेड में कार्यरत एक कंप्यूटर ऑपरेटर से 79 लाख 29 हजार 369 रुपये की ठगी कर ली। मामले में साइबर थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी ने पीड़ित को पहले इन्वेस्टमेंट के नाम पर मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिया। साइबर थाना पुलिस को दी गई शिकायत में गांव साकरा निवासी दर्शन सिंह ने बताया कि वह हैफेड में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर काम करता है। 11 सितंबर को उसके मोबाइल पर वॉट्सएप पर मैसेज आया। यूजर ने अपना नाम चंद्रिका बताया और उसे पार्ट टाइम काम करने का ऑफर किया। अलग-अलग होटल व वेबसाइट पर रिव्यू देने के लिए कहा रिव्यू के स्क्रीनशॉट टेलीग्राम आईडी पर भेजने को कहा।

मोटा मुनाफा कमाने का लालच

उससे इन्वेस्टमेंट करके मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर 79 लाख 29 हजार 369 रुपए इन्वेस्ट करवा लिए। साथ ही और ज्यादा प्रॉफिट के लिए और रुपए इन्वेस्ट करने को कहा। बाद में उसने वॉलेट से राशि निकालने के प्रयास किया तो वह नहीं निकली। इसके बाद आरोपी अन्य बहाने बनाकर और रुपए मांगने लगे तो उसे धोखाधड़ी के बारे में पता चला। ऐसा करके अज्ञात आरोपी उसके साथ 79 लाख 29 हजार 369 रुपए की ठगी कर ली। साइबर थाना एसएचओ शुभ्रांशु ने बताया कि मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ ठगी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ट्रेडिंग में पैसे इन्वेस्ट करने का बोला

इसके बाद उसने वेबसाइट पर रिव्यू देकर टेलीग्राम पर स्क्रीनशॉट भेज दिया। इसका कमीशन भेजने के लिए टेलीग्राम यूजर ने उसका अकाउंट नंबर मांगा तो उसने टेलीग्राम यूजर को भेज दिया। कमीशन के 120 रुपये उसके खाते में आ गए। इसके बाद आरोपियों ने ज्यादा पैसे कमाने की बात कहकर उसका वर्चुअल वॉलेट बना दिया और ट्रेडिंग में पैसे इन्वेस्ट करने को कहा।

इंटर स्कूल विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में तीसरे स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी।

विजेताओं को किया सम्मानित

राजौंद। आर्यव्रत शिक्षा निकेतन स्कूल तितरम के विद्यार्थियों ने इंटर स्कूल विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में तीसरे स्थान प्राप्त किया। स्कूल मुख्याध्यापक विक्रम सिंह ने बताया कि एस.डी.एम. स्कूल सुजुमा में विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता हुई। इसमें आर्यव्रत शिक्षा निकेतन स्कूल तितरम से विद्यार्थियों ने भाग लिया था और बेहतर मॉडल बनाए और तीसरा स्थान प्राप्त किया तो स्कूल प्रबंधन समिति द्वारा प्रतिभागियों को मेडल व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। स्कूल प्रबंधन समिति समय समय पर अलग अलग प्रतियोगिताओ के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सांस्कृतिक, खेल, भाषण, लेखन आदि प्रतियोगिताएं करवाते रहते है। मॉडल प्रतियोगिता में इशिका, मधु, आस्था, आर्यन को मेडल व प्रशंसा पत्र दिया गया व अंजू रानी, गीता, सुनैना, मनीषा, रीना, संजना आदि अध्यापिका उपस्थित रही।

---

90 लाख के विकास कार्यों का शिलान्यास

विकास कार्य बिना रुकावट के पूरे कराए जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

शनिवार को विधायक सतपाल जांबा ने नपा द्वारा करवाए जाने वाले 90 लाख रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस दौरान नगरपालिका चेयरमैन प्रतिनिधि राकेश गोस्वामी, पार्षदगण और क्षेत्र के प्रमुख लोग मौजूद रहे। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान विधायक जांबा ने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्य तेजी से करवाए जा रहे हैं, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो कामों में बाधा डालने की कोशिश करते हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अब ऐसे विरोधी तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा और विकास कार्य बिना रुकावट के पूरे कराए जाएंगे। विधायक ने यह भी घोषणा की कि 1 जनवरी से पूंडरी शहर और ग्रामीण मार्गों पर बाइक सवारों के लिए हेलमेट अनिवार्य होगा।

पूंडरी। पूंडरी में विकास कार्यों का शिलान्यास करते विधायक सतपाल जांबा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर कार्यक्रम में चेयरमैन प्रतिनिधि राकेश गोस्वामी, पार्षद मुल्तान सिंह, हिशम सिंह बुक्कल, विक्की, रवि, पार्षद संजीव कत्याल, सरपंच लाभ सिंह जांबा, अजमेर गोलन, ओमप्रकाश प्रधान, बलबीर गोलन, कुलविंदर चठा, डॉ. बलविंदर मैहला, प्रमोद पंडिर, कमल सैनी, बलबीर सैनी, राजेश एमई, प्रदीप गुप्ता आदि मौजूद रहे।

दलजीत को गैंगस्टर बता बाजार में घुमाने पर खापों ने जताया रोष

- इस व्यक्ति को गैंगस्टर कहना बिल्कुल गलत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

दलजीत सिहाग को गैंगस्टर बता कर बाजार में घुमाने व सफीदों विधायक रामकुमार गौतम द्वारा मंच से जाति विशेष को निशाना बनाने की कंडेला खाप पंचायत व माजरा खाप पंचायत कड़ी आलोचना करती है। कंडेला खाप पंचायत के प्रधान ओमप्रकाश कंडेला व माजरा खाप पंचायत जींद के प्रधान गुरविंदर सिंह संधू ने कहा कि दलजीत सिहाग एक समाजिक कार्यकर्ता हैं और एक समाजिक संस्था चलाते हैं। जो समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित करती है। पौधारोपण, गरीब बेटीयों की शिक्षा दिलाने में सहायता करती है। हिसार में एक व्यक्ति भी गलत नहीं बता सकता। जाट आरक्षण आंदोलन में दलजीत का बहुत बड़ा योगदान रहा। सरकार ने झूठे मुकद्मे दर्ज किए और जेल भेज दिया। आज अनेकों मुकद्में खारिज हो चुके हैं और कुछ उच्च न्यायालय में सुनवाई होनी है। इस व्यक्ति को गैंगस्टर कहना गलत है। प्रवक्ता समुद्र सिंह फोर, कंडेला खाप पंचायत के महासचिव राजसिंह रेढू ने बताया कि सफीदों के विधायक खुले मंच से जाति विशेष पर बोल रहे है।

जुलाना नगर पालिका चेयरमैन की अध्यक्षता में हाउस की बैठक

पचास करोड़ के विकास कार्यों के प्रस्ताव पास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

जुलाना कस्बे की नगर पालिका में हाउस की बैठक का आयोजन किया गया। अध्यक्षता नपा के चेयरमैन डा. संजय जांगड़ा ने की। बैठक में लगभग 50 करोड़ के विकास कार्यों के प्रस्ताव पास किए गए। बैठक में नपा के चेयरमैन डा. संजय जांगड़ा ने कहा कि जुलाना को विकास के मामले में पिछड़ा नही रहने दिया जाएगा। भाजपा सरकार सबका साथ सबका विकास नीति के तहत हर वर्ग का एक समान विकास करवा रही है। पार्षदों ने अपने वार्डों के विकास कार्यों के प्रस्ताव रखे। वार्ड दो में चौपाल में वाटर कुलरए रोहतक रोड़ से पक्का रास्ता, राजगढ़ अंडर पास रेलवे रोड़ का रास्ता पक्का, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक स्ट्रीट लाइट, इसके अलावा काफी कच्चे रास्तों को पक्का करने के प्रस्ताव पार्षदों ने दिए। बैठक में लगभग 52 विकास कार्यों के प्रस्ताव पाए किए गए। चेयरमैन डा. संजय जांगड़ा ने बैठक में सरकार द्वारा मनोनित पार्षदों को गोपनीयता की शपथ दिलाई। नगरपालिका द्वारा बनाई दुकानों की बोली के लिए प्रस्ताव पारित किया गया। पांच साल के लिए डोर टू डोर कचरा उठाने का प्रस्ताव पास किया। सार्वजनिक शौचालय की देख रेख के लिए प्रस्ताव पास किया गया। शहर के मुख्य रास्तों और रोड सफाई के लिए प्रस्ताव को पास कर दिया।

जुलाना। बैठक में पार्षदों को शपथ दिलाते नपा चेयरमैन डा. संजय जांगड़ा।

बैठक शांतिपूर्वक रही

नपा चेयरमैन डा. संजय जांगडा ने कहा कि बैठक पूर्ण रूप से शांतिपूर्वक तरीके से हो रही थी लेकिन कुछ पार्षदों ने बैठक में हंगामा करना शुरू कर दिया। बैठक में सभी पार्षदों के प्रस्ताव लिए गए थे लेकिन कुछ पार्षदों ने विकास कार्यों को लेकर नाराजगी जताते हुए बैठक से बाहर निकल गए। बैठक में लगभग 50 करोड़ के विकास कार्यों के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। पार्षदों ने रेवेन्यू रास्तों का विरोध कर रहे थे। बैठक में पार्षदों ने हंगामा शुरू कर दिया था।

पूंडरी। प्राचार्या डॉ. अमिता राणा के साथ फुटबाल टीम की खिलाड़ी।

अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता में जीता कांस्य पदक

पूंडरी। चौ. ईश्वर सिंह कन्या कालेज फतेहपुर-पूंडरी की फुटबॉल टीम ने अंतर महाविद्यालय फुटबॉल महिला प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते कांस्य पदक अपने नाम किया। उपलब्धि ने न केवल खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया, बल्कि पूरे महाविद्यालय को गर्व का अनुभव कराया। शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्षा डॉ. प्रेमलता ने बताया कि कुविवि द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की टीम पिछले 4 वर्षों से लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने कहा कि छात्राओं के लगातार पदक जीतने से यह सिद्ध होता है कि महाविद्यालय खेलों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्राचार्या डॉ. अमिता राणा ने खिलाडियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि महाविद्यालय की छात्राएं हमेशा खेल व शिक्षा दोनों क्षेत्रों में बेहतरीन प्रदर्शन कर संस्थान का नाम ऊँचा करती रही हैं। उन्होंने पूरी टीम को शुभकामनाएं दी।

गोल्ड लीजिंग, जिसके जरिए आजकल लोग कर रहे कमाई क्या हैं फायदे और नुकसान

आजकल कई लोग ऐसे हैं जो गोल्ड लीजिंग के जरिए काफी अच्छी कमाई कर रहे हैं. अब यह गोल्ड लीजिंग क्या है? आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं. साथ में गोल्ड लीजिंग के फायदे और नुकसान के बारे में भी बताने वाले हैं।

हर व्यक्ति चाहता है, कि उसके पास ज्यादा पैसा हो और उसे पैसों की कभी कमी न हो। इसके लिए लोग कमाई करने के साथ साथ अपने पैसों को निवेश करते हैं। इसके अलावा आजकल लोग अपनी तिजोरी में रखें हुए सोने से भी कमाई कर रहे हैं। जी हां, हम बात कर रहे हैं गोल्ड लीजिंग की। आजकल कई लोग ऐसे हैं जो गोल्ड लीजिंग के जरिए काफी अच्छी कमाई कर रहे हैं। अब यह गोल्ड लीजिंग क्या है? आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं। साथ में गोल्ड लीजिंग के फायदे और नुकसान के बारे में भी बताने वाले हैं।

गोल्ड लीजिंग क्या होता है ?

गोल्ड लीजिंग को आसान शब्दों में समझें तो गोल्ड लीजिंग में आप अपने सोने को किराए पर देते हैं और कमाई कर लेते हैं। आजकल कई डिजिटल प्लेटफॉर्म लोगों को गोल्ड लीजिंग की सुविधा ऑफर कर रहे हैं। इन प्लेटफॉर्म के जरिए लोग अपने गोल्ड को किराए पर दे सकते हैं और कमाई कर सकते हैं।
गोल्ड लीजिंग में आप एक निश्चित समय के लिए अपने गोल्ड को लीज या किराए पर देते हैं। इसके बदले में आपको 2 से 7 प्रतिशत तक रिटर्न मिलता है। अब खास बात यह है कि गोल्ड लीजिंग में मिलने वाला रिटर्न आपको गोल्ड के रूप में भी मिल सकता है और यह कैश में भी हो सकता है। वहीं अगर सोने का भाव बढ़ता है, तो आपका रिटर्न भी बढ़ता है।

गोल्ड लीजिंग के फायदे-नुकसान

गोल्ड लीजिंग में अगर सोने की कीमतें बढ़ती हैं तो आपको ही फायदा होगा लेकिन सोने की कीमत गिरने पर आपका रिटर्म कम हो सकता है।
गोल्ड लीजिंग के जरिए आप अपने तिजोरी में रखे सोने के जरिए काफी अच्छी कमाई कर सकते हैं लेकिन गोल्ड लीजिंग एक नया ट्रेंड है। ऐसे में इसके लिए अभी नियम पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है। वहीं कई मामलों में निवेशक के साथ फ्रॉड भी हो सकता है।
इसके अलावा अगर आप गोल्ड लीजिंग की अवधि के बीच में अपना सोना वापस चाहते हैं, तो सोना वापस लेना थोड़ा मुश्किल हो सकता है।

बच्चे के जन्म से शुरू करें निवेश, 18 साल होने पर तैयार होगा 50 लाख का फंड

पढ़ाई से लेकर शादी तक, सबका खर्च बढ़ रहा है खर्च, क्या आप अपने बच्चे के भविष्य निर्माण के लिए तैयार हैं? यह सवाल इसलिए क्योंकि घर में बच्चे सबको प्रिय होते हैं। लेकिन बच्चों के सपनों को साकार करने के लिए बच्चे का आर्थिक भविष्य संवारने का काम सभी नहीं करते।

आमतौर पर देखा जाता है कि माता-पिता अपने बच्चों की पढ़ाई या शादी जैसे लंबे लक्ष्यों के लिए उनके नाम पर ही एक अलग फंड बनाना पसंद करते हैं। यह फंड अक्सर जन्मदिन या खास मौकों पर मिली छोटी-छोटी रकम से शुरू होता है और फिर माता-पिता समय-समय पर इसमें नियमित रूप से पैसा जोड़ते रहते हैं। विशेषज्ञ भी इसे अच्छा तरीका मानते हैं। आज हम आपको बता रहे हैं म्यूचुअल फंड में चिल्ड्रेन फंड के बारे में।

- **बच्चे की पढ़ाई और शादी की चिंता रहेगी दूर**
- **भविष्य में अच्छे बिजनेस करने के लिए भी मिलेगा पैसा**

निवेश का भरोसेमंद तरीका

चिल्ड्रन म्यूचुअल फंड के क्षेत्र में उदाहरण के लिए हम आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल चिल्ड्रन फंड को देखते हैं। यह एक ऐसी योजना है जिसका लंबा और भरोसेमंद रिकॉर्ड रहा है। इसने समय के साथ अच्छे रिटर्न दिए हैं। यह एक ओपन-एंडेड निवेश योजना है जो बच्चों के लिए बनाई गई है। इसमें कम से कम पांच साल का लॉक-इन होता है, या फिर जब बच्चा बालिग हो जाए, जैसा भी पहले हो। यह फंड इक्विटी और डेट दोनों प्रकार की संपत्तियों में निवेश करता है और जरूरत पड़ने पर बेंचमार्क से बाहर के विषयों में भी अवसर के अनुसार निवेश करने का फ्रीडम रखता है।

उतार-चढ़ाव का असर भी कुछ हद तक कम होता

इस योजना की खासियत इसका बदलते हालात के मुताबिक ढलने वाला निवेश तरीका है। यह किसी एक तय निवेश फॉर्मूले पर अडिग नहीं रहती, बल्कि बाजार की स्थिति के अनुसार कभी बचाव की मुद्रा में तो कभी आक्रामक रुख अपनाती है। इससे फंड मैनेजर को समय-समय पर आर्थिक माहौल के हिसाब से उलट दिशा में भी कदम उठाने का अवसर मिलता है, जिससे पोर्टफोलियो में एक लचीलापन और जीवंतता बनी रहती है।

बाजार के हिसाब से होता है काम

जब बाजार में स्थिरता की जरूरत हो, तो यह फंड अपनी हिस्सेदारी का करीब 35% तक डेट में ले जा सकता है। और जब माहौल अनुकूल हो, तो उसी तेजी से फिर इक्विटी में लौट भी सकता है। इससे एक तरफ बढ़त के अवसरों का लाभ मिलता है और दूसरी तरफ अनिश्चित समय में उतार-चढ़ाव का असर भी कुछ हद तक कम होता है। कुल मिलाकर, यह चिल्ड्रन फंड उन अभिभावकों के लिए एक बेहतर विकल्प बनकर उभरता है जो अपने बच्चों की निवेश योजना में लचीलापन, सक्रिय फैसले और लंबी अवधि की सोच इन तीनों का संतुलित मेल चाहते हैं।

क्या है रिटर्न

अगर कोई व्यक्ति 31 अगस्त 2001 को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल चिल्ड्रन फंड में 10 लाख रुपये निवेश किया होता तो 31 अक्टूबर 2025 तक यह राशि बढ़कर लगभग 3.3 करोड़ रुपये हो जाती। यह 15.58% की उल्लेखनीय वार्षिक कंपाउंडेड वृद्धि है। इसकी तुलना में, बेंचमार्क में ऐसा ही निवेश करीब 2.12 करोड़ का होता। यानी सीएजीआर 13.46 पर्सेंट का रिटर्न मिला है। इस फंड के एसआईपी रिटर्न भी कमाल के रहे हैं। अगर शुरुआत से हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी की जाती, तो कुल 29 लाख का निवेश 31 अक्तूबर, 2025 तक 2.2 करोड़ रुपये का हो जाता। अगर पिछले 15 साल से निवेश किया जा रहा है तो 18 लाख का योगदान बढ़कर 55.4 लाख रुपये तक पहुंच जाता। इसका मतलब 13.76 फीसदी सीएजीआर की दर से रिटर्न मिला। इसी अवधि में इसके बेंचमार्क का रिटर्न केवल 11.88 फीसदी है। पिछले एक, तीन और पांच साल में भी फंड ने लगातार अपने बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन किया है।

जल्दी निवेश करना क्यों है जरूरी

मान लीजिए कि किसी अभिभावक को अपने बच्चे के 18 साल का होने तक 50 लाख रुपये का कोर्पस तैयार करना है। अगर पहले माता-पिता (ए) ने बच्चे के जन्म के समय ही निवेश शुरू किया, तो 18 साल की अवधि में 12% की मान्य वृद्धि दर पर उन्हें हर महीने 6,598 रुपये निवेश करने होंगे। कुल मिलाकर 14.25 लाख रुपये का योगदान करना पड़ेगा। अगर दूसरे माता-पिता (बी) ने बच्चे के छह साल का होने पर निवेश शुरू किया, तो 12 साल की अवधि में उन्हें हर महीने 15671 रुपये लगाने होंगे। कुल योगदान 22.56 लाख रुपये का हो जाएगा। अगर तीसरे माता-पिता (सी) ने निवेश तब शुरू किया जब बच्चा 12 साल का हुआ, तो 12% की वृद्धि दर पर उन्हें हर महीने 47,751 रुपये लगाने होंगे और कुल योगदान 34.38 लाख रुपये तक पहुंच जाएगा। यानी लक्ष्य एक ही हो लेकिन देरी करने वालों को कहीं ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है। माता-पिता बी को ए की तुलना में 12.3 लाख और सी को 20.13 लाख रुपये अधिक निवेश करने पड़ेंगे। यही है निवेश में देरी की वास्तविक लागत। अंत में, बात फिर वहीं आती है। निवेश जितना जल्दी शुरू होगा, लंबे समय वाले इक्विटी निवेश की शक्ति उतनी ही प्रभावी होगी। माता-पिता चाहें तो बहुत सधी हुई रफ्तार से बच्चे के सपनों जैसा उज्ज्वल भविष्य गढ़ सकते हैं।

हर माह 10,000 रुपये की बचत, बच्चों के लिए बनाएं 43 लाख का फंड

पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ स्कीम और सुकन्या समृद्धि योजना यानी एसएसवाई स्कीम में आप हर साल थोड़ा थोड़ा निवेश कर लाखों का फंड बना सकते हैं। दोनों स्कीम में आपको 15 सालों तक अपने निवेश को जारी रखना होता है। आइए जानते हैं...

पैसों को एक अच्छी स्कीम में निवेश करना हर व्यक्ति के लिए जरूरी होता है। हर व्यक्ति को अपनी मंथली इनकम का कुछ हिस्सा एक अच्छी स्कीम में निवेश जरूर करना चाहिए, जिससे वह अपने बच्चों के भविष्य को सुरक्षित कर सकें। ऐसी कई स्कीम और योजनाएं हैं, जहां आप अपने पैसों को सुरक्षित निवेश कर सकते हैं और लाखों का रिटर्न पा सकते हैं। आज हम आपको दो ऐसी स्कीम में बारे में बताएंगे, जिसमें आप हर महीने केवल 10,000 रुपये निवेश कर पूरे 43 लाख रुपये से ज्यादा का फंड बना सकते हैं। यह दोनों स्कीम सरकारी स्कीम है। ऐसे में यहां आपका पैसा भी सुरक्षित रहेगा। हम बात कर रहे हैं पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ स्कीम और सुकन्या समृद्धि योजना यानी एसएसवाई स्कीम के बारे में. दोनों ही स्कीम में आप हर साल थोड़ा थोड़ा निवेश कर सकते हैं और दोनों स्कीम में आपको 15 सालों तक अपने निवेश को जारी रखना होता है।

पीपीएफ और एसएसवाई में रिटर्न

पीपीएफ में 7.1 प्रतिशत की दर से रिटर्न मिलता है और एसएसवाई में 8.2 प्रतिशत की दर से रिटर्न मिलता है। पीपीएफ में कोई भी व्यक्ति निवेश कर सकता है लेकिन एसएसवाई में केवल माता-पिता अपना 10 साल से कम उम्र की बेटी के नाम पर निवेश कर सकते हैं। दोनों ही स्कीम में 1000 रुपये से 1.50 लाख रुपये प्रति वर्ष निवेश किया जा सकता है।

ऐसे बढ़ेगा आपका फंड

अगर आप हर महीने 10,000 रुपये की बचत कर 5-5 हजार रुपये दोनों स्कीम में 15 सालों तक निवेश करते हैं तो आप 43 लाख रुपये से ज्यादा का फंड बना सकते हैं। हर महीने 5000 रुपये अगर आप पूरे 15 सालों तक पीपीएफ में निवेश करते हैं तो आप 15 सालों में कुल 9 लाख रुपये निवेश करेंगे। 15 साल बाद आपको कुल 16.27 लाख रुपये मिलेंगे। ऐसे में आपको 7.27 लाख रुपये का लाभ होगा। हर महीने 5000 रुपये अगर आप पूरे 15 सालों तक एसएसवाई में निवेश करते हैं तो आप 15 सालों में कुल 9 लाख रुपये निवेश करेंगे। 15 साल बाद आपको कुल 27.71 लाख रुपये मिलेंगे। ऐसे में आपको 18.71 लाख रुपये का लाभ होगा। इस तरह से आप 15 साल में कुल 43.98 लाख रुपये का फंड बना सकते हैं।

जॉइंट फैमिली खत्म, अब बुढ़ापे में कौन देगा सहारा? मिडिल क्लास की सबसे बड़ी टेंशन पर अलर्ट

योजना बनाने में देरी से रिटायरमेंट के लिए पर्याप्त धन नहीं हो पाता जमा जिससे भविष्य हो जाता है अनिश्चित

भारत में रिटायरमेंट का संकट गहरा रहा है, क्योंकि पुरानी व्यवस्थाएं अब पर्याप्त नहीं हैं। बढ़ती उम्र, स्वास्थ्य खर्च और सामाजिक सुरक्षा की कमी के कारण 70% से अधिक वरिष्ठ नागरिक परिवार पर निर्भर हैं। योजना बनाने में देरी से रिटायरमेंट के लिए पर्याप्त धन जमा नहीं हो पाता, जिससे भविष्य अनिश्चित हो जाता है।

नई दिल्ली: भारत में रिटायरमेंट का संकट अब आने वाला नहीं है, बल्कि यह पहले से ही मौजूद है। ज्यादातर भारतीय परिवार इसके लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं हैं। वेल्थ एडवाइजर नितिन पुष्करन ने इसे लेकर लिंक्डइन पर एक पोस्ट में चेतावनी दी है। उनके मुताबिक, बच्चों का सहारा, पेंशन या प्रॉपर्टी जैसी पुरानी व्यवस्थाएं अब रिटायरमेंट को सुरक्षित करने के लिए काफी नहीं हैं। पुष्करन ने लिखा, 'हम संयुक्त परिवार वाली व्यवस्था से निकलकर एकल आय वाली अर्थव्यवस्था में आ गए हैं।' उन्होंने बताया कि बढ़ती उम्र, स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी खर्च और सामाजिक सुरक्षा की कमी ने मिलकर देश में एक बड़ा आर्थिक संकट पैदा कर दिया है। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, 60 साल से ज्यादा उम्र के 70% से अधिक भारतीय पूरी तरह से अपने परिवार पर निर्भर हैं। वहीं, 10% से भी कम लोग ईपीएफ, एनपीएस या सुपरएन्युएशन जैसी किसी भी रिटायरमेंट स्कीम में नियमित रूप से पैसा जमा करते हैं।

क्या फेल होती है रिटायरमेंट प्लानिंग?

पुष्करन ने इस बात पर जोर दिया कि रिटायरमेंट में असफलता का कारण आय की कमी नहीं, बल्कि योजना बनाने में देरी है। उन्होंने एक उदाहरण दिया कि अगर कोई 35 साल का व्यक्ति आज से 10,000 रुपये हर महीने एसआईपी में लगाना शुरू करे तो 60 साल की उम्र तक उसके पास 1 करोड़ रुपये से ज्यादा जमा हो जाएंगे।

संकट बढ़ाने वाले कई और कारण

इस संकट को बढ़ाने वाले कुछ और कारण भी हैं। स्वास्थ्य सेवाओं पर होने वाला खर्च 11-14% तक है, जो दुनिया में सबसे ज्यादा में से एक है। साथ ही, लोगों की औसत उम्र भी 70 साल से ज्यादा हो गई है। पुष्करन ने यह भी बताया कि नौकरी के बीच में ईपीएफ से पैसे निकालना भी एक बड़ी वजह है, जिससे कई नौकरीपेशा लोगों का रिटायरमेंट के लिए जमा होने वाला एकमात्र जरिया खत्म हो जाता है। भारत लौटने वाले एनआरआई (अनिवासी भारतीय) भी अक्सर रिटायरमेंट के बाद के खर्चों का सही अंदाजा नहीं लगा पाते। उनकी सलाह सीधी और स्पष्ट है, 'रिटायरमेंट के लिए पहली प्राथमिकता से योजना बनाएं, बची हुई रकम से नहीं। आपकी भविष्य की जीवनशैली आपके बच्चों या ईएमआई पर निर्भर नहीं होनी चाहिए।'

अब इस डिजिटल पेमेंट के तरीके में एक और दमदार ट्विस्ट

स्मार्ट होता भारत अब यूपीआई से पा रहा क्रेडिट का फायदा, मिल रहे रिवॉर्ड और कैशबैक भी

सोचिए आप दुकान पर जाएं, यूपीआई से पेमेंट करें और आपका न सिर्फ सेकंड्स में पेमेंट पास हो जाए, बल्कि कैशबैक भी मिल जाए। है ना फायदे का सौदा? ये ही फायदा लेकर आया है कीवी एप , जिससे पेमेंट करना आपको फायदा ही फायदा पहुंचाएगा। क्योंकि इस पर कैशबैक के साथ ही ईएमआई तक की सुविधा का आनंद लिया जा सकता है।

योजना
बिजनेस डेस्क

पैसों से जुड़े लेन-देन के तरीकों की भारत में यात्रा काफी लंबी और रोचक रही है। पहले जहां लोग जेब में कैश या चेक लेकर घूमते थे, तो वहीं बाद में इसकी जगह डेबिट/क्रेडिट कार्ड्स ने ले ली। और फिर आया पेमेंट को सुपर ईजी बना देने वाला बदलाव, यानी यूपीआई क्यू कोड, जिसमें व्यक्ति बस एक स्कैन करता है और महज सेकंड्स में ट्रांजेक्शन पूरा हो जाता है। अब इस डिजिटल पेमेंट के तरीके में एक और दमदार ट्विस्ट आ चुका है। इसमें लोगों को न सिर्फ यूपीआई पेमेंट की रफ्तार और सहूलियत मिल रही है बल्कि वो क्रेडिट की ताकत का फायदा भी उठा रहे हैं। सोचिए कि आप किसी किराना स्टोर में जाएं, वहां पर अपनी रोजाना की चीजें खरीदें और यूपीआई स्कैन से तुरंत पेमेंट कर दें, लेकिन इसके बावजूद आपके सेविंग अकाउंट से एक भी पैसा न कटे! और तो और आपको क्रेडिट कार्ड कैशबैक, रिवॉर्ड पॉइंट्स व बड़ी खरीदारी के भुगतान को ईएमआई में तब्दील करने का विकल्प भी मिल जाए। है ना ये शॉपिंग एक्सपीरियंस में दमदार ट्विस्ट? इसका श्रेय जाता है कीवी जैसे प्लेटफॉर्म को जिसने यूपीआई पेमेंट्स को एप के जरिए क्रेडिट से जोड़ने का काम किया है। यानी अब आप यूपीआई पेमेंट सीधे क्रेडिट कार्ड से कर सकते हैं।

एक स्कैन और बैंक से सीधे कट जाती है राशि

चाहे किताब खरीदनी हो, घर के लिए चावल या फिर वॉशिंग मशीन, सभी तरह की खरीदारी के लिए यूपीआई सबसे आम तरीकों में से एक बन चुका है। एक स्कैन से सारे पेमेंट हो जाते हैं, जिसके लिए बैंक अकाउंट से पैसे कटते हैं। अब इसमें समस्या ये है कि अगर व्यक्ति के खाते में पर्याप्त राशि नहीं हुई, तो पेमेंट अप्रूव नहीं होगा। साथ ही इसमें पूरा भुगतान एकमुश्त ही करना होता है फिर चाहे आप 10 रुपये की चीज खरीद रहे हों या फिर 50,000 रुपये की। इससे जेब पर एकदम से काफी भार भी पड़ता है। लेकिन अगर आपके यूपीआई के साथ क्रेडिट कार्ड की ताकत जुड़ी हो, तो इन चीजों का भार हल्का हो जाता है।

रुपे क्रेडिट कार्ड फॉर यूपीआई के फायदे

- तुरंत और आसान भुगतानः बस स्कैन करें और यूपीआई से भुगतान करें। यानी आपको पेमेंट के लिए न तो अपने साथ क्रेडिट कार्ड कैरी करने की जरूरत है और ना ही वॉलेट में कैश तलाशने की।
- रिवॉर्ड और कैशबैकः यूपीआई पेमेंट करने पर भी कैशबैक और रिवॉर्ड पॉइंट्स जैसे फायदे मिलते हैं, वो भी बिना किसी उलझन भरी शर्तों या छिपे हुए नियमों के।
- बाद में पेमेंट की सुविधाः बड़े अमाउंट को आप आसानी से ईएमआई में तबदील कर सकते हैं, जिससे आपकी जेब पर एकदम से बोझ नहीं आता।

यहां क्रेडिट और यूपीआई चलते हैं साथ-साथ

यूपीआई पर क्रेडिट का फायदा पाने के काम को कीवी ने बेहद आसान बना दिया है। बस आपको कीवी एप पर साझेदार बैंकों द्वारा जारी किए गए पर रुपे क्रेडिट कार्ड को ऐप के जरिए यूपीआई से जोड़ना है, जिसका प्रोसेस काफी आसान है। एक बार ये लिंक हो गया, तो यूजर कीवी एप के जरिए ईजी पेमेंट, रिवॉड्र्स के साथ ही पेमेंट को ईएमआई में बदलने जैसे कई फायदों का लाभ उठा सकेगा। कीवी एप से हुए यूपीआई पेमेंट्स पर कम से कम 1.5% का कैशबैक मिलता है, जो सीधा बैंक में जाता है, जिसे कभी भी निकालकर इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें न तो कोई छुपी हुई शर्तें हैं और ना ही कोई जटिल कन्वर्जन। और तो और कीवी एप पर उपलब्ध रुपे क्रेडिट कार्ड फॉर यूपीआई पूरी तरह से लाइफटाइम फ्री भी है। कुल मिलाकर ये आज के डिजिटल इंडिया के लिए ही बना है, जो शॉपिंग के एक्सपीरियंस को ईजी और रिवॉर्ड रिच बना देता है।

क्रेडिट-स्मार्ट और सशक्त होता भारत

जैसे-जैसे ज्यादा लोग यूपीआई के जरिए क्रेडिट का इस्तेमाल करने लगे हैं, वैसे-वैसे भारत में पैसे खर्च करने और संभालने का तरीका धीरे-धीरे बदलता जा रहा है। जो लोग अब तक सिर्फ डेबिट कार्ड या नकद पर निर्भर थे, उनके लिए ये बिना किसी झंझट के क्रेडिट की दुनिया में कदम रखने का आसान रास्ता बन गया है। कीवी जैसे प्लेटफॉर्म की पारदर्शी और आसान सेवाओं से भारत में डिजिटल पेमेंट न सिर्फ तेज हो रहे हैं, बल्कि ये लोगों को अधिक सशक्त और क्रेडिट स्मार्ट भी बना रहे हैं, जो नए भारत के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने में सक्षम बनाता है।

लॉन्ग टर्म एसआईपी करोड़पति तो बना देगी, लेकिन उस पर टैक्स कितना भरना पड़ेगा?

एक्सपर्ट्स की राय
बिजनेस डेस्क

एसआईपी में निवेश करके लॉन्ग टर्म में करोड़ों का फंड बनाया जा सकता है। आजकल वित्तीय एक्सपर्ट्स भी एसआईपी में निवेश करने की सलाह देते हैं। निवेशकों के साथ ही सोशल मीडिया पर भी एसआईपी में निवेश करने के फायदे गिनाए जाते हैं। यह सुनकर तो बहुत अच्छा लगता है कि 20-25 साल लगातार एसआईपी में निवेश करने के बाद आपके पास करोड़ों रुपए का फंड जमा हो जाएगा, आप करोड़पति बन जाएंगे। लेकिन आपको यह नहीं बताया जाता है कि एसआईपी रिटर्न जब आपको मिलेगा तब आपको कितना टैक्स भरना पड़ेगा। लॉन्ग टर्म में कमाई गई आई पर आपको टैक्स का भुगतान करना पड़ेगा जिससे आपका रिटर्न कम हो जाएगा।

रिटर्न के साथ टैक्स का भुगतान

लंबे समय के बाद आप यदि एसआईपी पर भारी भरकम मुनाफा कमाते हैं तो उस पर आपको टैक्स का भुगतान करना ही पड़ेगा। इसीलिए आपको पहले ही समझ जाना चाहिए की लॉन्ग टर्म कैपिटल गैन टैक्स सिस्टम के अंतर्गत एसआईपी रिटर्न पर आपको कितना टैक्स देना पड़ेगा और कितना रिटर्न आपको मिल सकता है।

उदाहरण से समझिये पूरा गणित

मान लेते हैं कि आप हर महीने 15000 एसआईपी में निवेश करते हैं। यह एसआईपी लगातार 20 साल तक जारी रखी जाती है। और यदि इस पर आपको 12% की दर से औसतन रिटर्न भी मिले तो 20 साल बाद मिलने वाला ब्याज सहित कुल रिटर्न 1,49,87,219 हो जाएगा। प्लीज रिटर्न पर आपको लॉन्ग टर्म कैपिटल गैन टैक्स का भुगतान करना होगा। नियम के अनुसार यदि आपका लाभ 1 साल से ज्यादा के निवेश पर 1,25,000 से ज्यादा है तो उस पर आपको 12.5% टैक्स के साथ 4% सेस का भी भुगतान करना पड़ेगा। यानी 1,49,87,219 में से 1,25,000 हटाने के बाद बची राशि पर आपको 12.5% टैक्स और 4% सेस का भुगतान करना पड़ेगा। इसके बाद भी आपको एक करोड़ से ज्यादा का रिटर्न तो मिलेगा ही लेकिन आपका रिटर्न थोड़ा कम हो जाएगा। इसलिए यदि आप लॉन्ग टर्म के लिए एसआईपी कर रहे हैं तो अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग में यह भी शामिल करें कि उसे एसआईपी पर आपको बाद में टैक्स का भुगतान भी करना पड़ेगा।

खबर संक्षेप

महायज्ञ में कर्णपुरी महाराज ने किया पूजन

फतेहाबाद। सर्व श्री चंडी माता मंदिर अशोक नगर में आयोजित श्री शतचण्डी हवनात्मक महायज्ञ और रूद्र यज्ञ में शनिवार को रोहतक से आए महामंडलेश्वर स्वामी कर्णपुरी महाराज ने माता सत्यम देवा के साथ विधिवत पूजन कर यज्ञ किया। कार्यक्रम में कर्णपुरी महाराज ने प्रवचन करते हुए कहा कि वेद-शास्त्रों में हवन को जीवन की शुद्धि और वातावरण की पवित्रता का अनमोल माध्यम बताया गया है। हवन में गई आहुति जहां मनुष्य के अंतर्मन को शुद्ध और शांत करती है, वहीं अग्नि में समर्पित सामग्री पर्यावरण को दिव्यता प्रदान कर नकारात्मक ऊर्जाओं का नाश करती है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब समाज तनाव और अनिश्चितताओं से घिरा है, ऐसे धार्मिक यज्ञ विश्व शांति, सद्भाव और स्वस्थ समाज की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भट्टू पुलिस ने हेरोइन सहित युवक को पकड़ा

फतेहाबाद। नशा तस्करों की धरपकड़ करते हुए भट्टूकलां पुलिस ने एक युवक को हेरोइन सहित काबू किया है। आरोपी की पहचान उमेद उर्फ मोहित, पुत्र सुरेंद्र, निवासी शेखुपुर दड़ोली, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है। थाना भट्टूकलां प्रभारी उप-निरीक्षक राधेश्याम ने बताया कि पुलिस टीम रूटीन गश्त के दौरान बस अड्डा से रेलवे स्टेशन भट्टूकलां की ओर जा रही थी। जब पुलिस टीम रेस्ट हाउस के पास पहुंची, तो एक वाहन चालक को शक के आधार पर रोका गया।

कमाई का लालच देकर लाखों की ठगी, दो काबू

फतेहाबाद। टेलीग्राम पर कमाई का लालच देकर लाखों की ठगी करने मामले में साइबर थाना फतेहाबाद पुलिस ने यूपी के दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमन त्रिपाठी पुत्र संजय त्रिपाठी तथा राज प्रताप पुत्र राम प्रताप सिंह, निवासी शारदा नगर, जिला लखनऊ के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों से 8500 रुपये की राशि भी बरामद की है।

चोरीशुदा बाइक सहित युवक को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। बाइक चोरी के मामले में थाना शहर टोहाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर चोरीशुदा मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान लवप्रीत सिंह उर्फ लाभु पुत्र अवतार सिंह निवासी कृष्णा कॉलोनी, टोहाना के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना शहर टोहाना में पहले भी 4 मामले दर्ज है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद सिंह ने बताया कि विक्रम पुत्र छज्जू सिंह, निवासी गांव दमकोरा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 18 अक्टूबर को उसकी मोटरसाइकिल एचडीएफसी बैंक के सामने, से चोरी हो गई थी।

पड़ोसी को धमकी देने के मामले में मां-बेटा काबू

फतेहाबाद। हथियार के बल पर पड़ोसी को धमकी देने के मामले में फतेहाबाद पुलिस ने मां-बेटे को गिरफ्तार किया है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि 3 नवंबर को राकेश पुत्र शिव दयाल निवासी शिवपुरी, फतेहाबाद ने शिकायत दर्ज कराई कि उसके पड़ोसी अक्सर उसे और उसकी पत्नी को हाथ में हथियार दिखाकर धमकाते और गाली-गलौच करते हैं।

शहीदी दिवस पर चेतना समागम का आयोजन

रतिया। गांव लधुवास स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में रतिया के शहीद देविंदर सिंह के 24वें शहीदी दिवस को समर्पित चेतना समागम का आयोजन प्राचार्य हरविंदर कुमार की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के स्टॉफ एवं छात्र-छात्राओं ने शहीद की तस्वीर के समक्ष फुल अर्पित करके श्रद्धांजलि दी।

गांव हिजरावां पहुंची 'एक पदयात्रा नशे के खिलाफ'

ग्रामीणों को 'मेरा परिवार-नशामुक्त परिवार' का दिलवाया संकल्प

हरियाणा के युवाओं ने शिक्षा के साथ खेलों में प्रदेश का नाम विश्व स्तर पर चमकाने का काम किया : भवानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। गांव हिजरावां में 'एक पदयात्रा नशे के खिलाफ' के दौरान ग्रामीणों को जागरूक करते भवानी सिंह। फोटो : हरिभूमि

जिले में नशे के खिलाफ युद्धस्तर पर अभियान चला रही महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निकाली जा रही 'एक पदयात्रा नशे के खिलाफ' आज जिले के गांव हिजरावां खुर्द पहुंची। ट्रस्ट के संस्थापक भवानी सिंह के नेतृत्व में युवाओं ने गांव में घर-घर जाकर ग्रामीणों को नशे से परिवार और समाज को होने वाले नुकसानों के बारे में बताया और प्रत्येक घर में रह रहे लोगों को 'मेरा परिवार-नशामुक्त परिवार' का संकल्प दिलवाया। ग्रामीणों में भी इस पदयात्रा को लेकर उत्साह नजर आया और ग्रामीणों ने इस पदयात्रा को समाज में नया बदलाव लाने की मुहिम बताया। बता दें कि इस पदयात्रा को शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था। यह यात्रा जिलेभर के गांवों में घर-घर जाकर युवाओं को जागरूक करेगी। महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक भवानी सिंह ने गांव हिजरावां खुर्द में युवाओं से बातचीत करते हुए कहा कि हरियाणा के युवाओं ने शिक्षा के साथ-साथ खेलों में प्रदेश का नाम विश्व स्तर पर चमकाने का काम किया है वहीं क्षेत्र में बढ़ रही नशे की प्रवृति फतेहाबाद जिले को छवि को नुकसान पहुंचा रही है। क्षेत्र में चिट्टे और मेडिकल के बढ़ते नशे पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि किसी भी समाज, क्षेत्र के विकास में युवाओं की अहम भूमिका होती है लेकिन जब उन्होंने जिले के युवाओं को नशे की दलदल में धंसे देखा तो उन्हें देखा हुआ। तभी उन्होंने ट्रस्ट के माध्यम से जिले को नशामुक्त करने का संकल्प लिया था। आज उन्हें खुशी हो रही है कि ट्रस्ट के सकारात्मक प्रयासों का असर है कि काफी संख्या में युवा नशे से तौबा कर समाज की मुख्य धारा में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने ग्रामीणों से न केवल अपने परिवार बल्कि आसपास के लोगों को भी जागरूक करने का आह्वान किया और कहा कि ट्रस्ट की टीम इसमें युवाओं का पूरा सहयोग करेगी। न केवल उन्हें नशा छोडऩे के लिए दवाएं दिलवाई जाएंगी बल्कि खेलों से भी जोड़ा जाएगा।

खेल प्रतियोगिता से दिया नशा मुक्ति का संदेश

ओढां। पुलिस ने गांव घुकांवाली में क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित कर युवाओं का हौसला बढ़ाया व नशे से दूर रहने व आत्मविश्वास से परिपूर्ण जीवन जीने बारे प्रेरित किया। साथ ही नशा मुक्ति टीम कैंपों के माध्यम से नशा पीड़ितों की जांच के लिए नशा मुक्ति शिविर का आयोजन लगातार कर रही हैं। जिसमे उनके ब्लड सैंपल लेकर उनमें पैदा होने वाली किसी भी बीमारी का पता करके समय रहते इलाज किया जा रहा है। नशा शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को लगातार कम करता जाता है। जिससे पीलिया, टीबी जैसी भयानक बीमारियां पैदा हो जाती हैं। नशा पीड़ितों की पहचान के लिए लगातार जागरूकता सेमिनार भी आयोजित किए जा रहे हैं। एसपीओ हरगोबिंद ने कहा कि पुलिस का ध्येय नशा मुक्त व अपराध मुक्त समाज जिसके लिए पुलिस हमेशा तत्पर व कटिबद्ध है।

ओढ़ा। खिलाड़ियों के साथ एसपीओ हरगोबिंद सिंह।

नशा पीड़ितों का करवाया उपचार

ओढां। डबवाली पुलिस की नशा मुक्ति टीम डबवाली ने थाना कालांवाली क्षेत्र के गांव सिंहपुरा, दादू, पक्का शहीदा व धर्मपुरा से 14 और गांव मलिकपुरा व मटदादू से 08 नशा पीड़ितों को सरकारी अस्पताल से उचित काउंसलिंग करवाकर उनका इलाज शुरू करवाया गया। इस दौरान दो नशा पीड़ितों को कालांवाली के नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती करवाया गया। इस अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए एसपीओ हरगोबिंद ने गांव घुकांवाली में क्रिकेट की प्रतियोगिता आयोजित कर युवाओं का हौसला बढ़ाया, व नशे से दूर रहने व आत्मविश्वास से परिपूर्ण जीवन जीने बारे प्रेरित किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अब तक 22 नशा पीड़ितों को नवजीवन देने व नशे की लत से बाहर निकालने के लिए उनकी काउंसलिग करवाकर उन्हें सरकारी अस्पताल से 05 दिन की दवाई दिलवाई गई।

'एक देश-एक चुनाव' से लोकतंत्र होगा मजबूत : प्रवीण जोड़ा

फतेहाबाद। पीली मन्दोरी में 'एक देश-एक चुनाव' अभियान को लेकर जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण व अन्य।

पीलीमंदौरी में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

गांव पीलीमंदौरी में 'एक देश-एक चुनाव अभियान' के तहत एमआर मैमोरियल स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अभियान के प्रदेश टीम सदस्य एवं विभाग प्रभारी सुरेंद्र आर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा, विभाग संयोजक सुभाष खिचड़ एवं जिला संयोजक बलदेव सैनी ने शिरकत की। स्कूल के एमडी सुभाष सींवर और प्रिंसिपल नीलम रानी ने अध्यापकों के साथ अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर बीजेपी मंडलाध्यक्ष संदीप माचरा, मार्केट कमेटी चेयरमैन प्रदीप मंडन तथा एनिमेंट पर्सन सतबीर धुपुका भी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीजेपी जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने कहा कि एक देश-एक चुनाव व्यवस्था स्थिर शासन, मजबूत नीति-निर्माण और विकास की गति को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकती है। इससे लोकतंत्र मजबूत होगा, जनहित के कार्यों में गति आएगी और जनता बार-बार के चुनावी माहौल से बाहर निकलकर विकास की ओर ध्यान दे सकेगी। सुरेंद्र आर्य ने कहा कि बार-बार होने वाले चुनावों में समय, धन और मनुष्य-बल का बहुत अधिक उपयोग होता है। प्रशासनिक तंत्र महीनों तक चुनावी प्रक्रिया में व्यस्त रहता है, जिससे विकास कार्य प्रभावित होते हैं। यदि पूरे देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जाएं, तो न सिर्फ हजारों करोड़ रुपये की बचत होगी, बल्कि देश की कार्यप्रणाली भी और तेज व प्रभावी बनेगी। जिला परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि सुभाष खिचड़ और बलदेव सैनी ने स्कूल प्रबंधन कमेटी का आभार प्रकट किया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में राजाराम ज्यानी, सतबीर मेहुवाला, राजन सरबटा, योगेश माचरा, संदीप शर्मा, सोहन लाल नागर, नरेंद्र, सतपाल, विनोद श्योराण, अनिल गोरछिया, विनोद जोशी, साहबराम डूडी, डॉ. होशियारी लाल उपस्थित थे।

एनसीसी कैडेट्स ने वंदे मातरम जयंती पर किया पौधरोपण

■ राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को राष्ट्रगीत वंदेमातरम की 150वीं जयंती बड़े उत्साह के साथ मनाई गई। थर्ड हरियाणा गर्ल्स बटालियन एनसीसी के तत्वावधान में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में एनसीसी की छात्राओं ने भाग लिया और विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत की गरिमा और उसके स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को याद करते हुए हुई। हिंदी प्रवक्ता विकास पोपली ने वंदेमातरम के इतिहास और देशभक्ति में इसकी भूमिका की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह गीत आज भी युवा पीढ़ी को राष्ट्र प्रेम और त्याग की प्रेरणा देता है। विद्यालय प्रधानाचार्या परमजीत कौर ने कहा कि वृक्ष हमारी धरती की जीवनरेखा हैं। इनकी देखभाल करना हमारा कर्तव्य है। एनसीसी प्रभारी शिल्पी गुप्ता ने कहा कि ऐसे छोटे-छोटे प्रयास ही बड़े परिवर्तन लाते हैं। कॉमर्स प्रवक्ता अनिल भाटिया ने छात्राओं के जोश और जिम्मेदारी की भावना की भूरि-भूरि प्रशंसा की। छात्राओं ने न केवल पौधे लगाए बल्कि आने वाले दिनों में नियमित रूप से पानी देने और उनकी देखभाल करने का सामूहिक संकल्प भी लिया।

रिटायर्ड कर्मियों का प्रदर्शन 26 को

■ मांगों को लेकर उपायुक्त कार्यालय पर किया जाएगा रोष प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। बैठक में प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर चर्चा करते रिटायर्ड कर्मचारी।

जिलेभर के रिटायर्ड कर्मचारियों द्वारा अपनी लंबित मांगों को लेकर 26 नवम्बर को फतेहाबाद में रोष प्रदर्शन किया जाएगा। इस दिन रिटायर्ड कर्मचारी हिसार रोड स्थित नई सब्जी मण्डी में एकत्रित होंगे और वहां से रोष प्रदर्शन करते हुए उपायुक्त कार्यालय जाकर धरना देंगे। यह निर्णय आज रिटायर्ड कर्मचारी संगठन फतेहाबाद की बैठक में लिया गया। पुराना रेस्ट हाऊस में हुई इस बैठक की अध्यक्षता संगठन के जिला प्रधान मुन्शी राम कम्बोज ने की और संचालन जिला सचिव सुभाष चन्द्र चौहान ने किया। बैठक में प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई और पदाधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रधान मुंशीराम कम्बोज ने कहा कि रिटायर्ड कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर लंबे समय से आंदोलन कर रहे हैं। अनेक बार सरकार के सामने रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों को उठाया जा चुका है लेकिन सरकार इनकी मांगों को लेकर बिलकुल गंभीर नहीं है।

प्रमुख मांगें

प्रदर्शन के माध्यम से मांग की जाएगी कि 60, 70 व 75 वर्ष की आयु उपरांत 5, 10, 15 प्रतिशत बेसिक पेंशन में बढ़ोतरी की जाए। यह व्यवस्था पंजाब, हिमाचल में पहले से लागू है। इसके अलावा चिकित्सा भत्ता 5 हजार रुपये मासिक देने, कम्युटेशन की रिकवरी 15 साल से घटाकर 10 साल करने, पुरानी पेंशन प्रणाली बहाल करने, 60 वर्ष की आयु के बाद पेंशन के लिए रेल में रियायती दर पर यात्रा सुविधा को दोबारा से लागू करने आदि मांगें शामिल है।

मां शांति देवी पुस्तकालय का उपायुक्त ने किया लोकार्पण

डबवाली। कस्बे के महाग्राम गंगा स्थित श्री गुरु जंभेश्वर मंदिर प्रांगण में उपायुक्त शांतनु शर्मा ने शनिवार को मां शांति देवी पुस्तकालय का लोकार्पण किया गया। उन्होंने लाइब्रेरी की रूपरेखा की जानकारी ली। स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मुख्यातिथि का स्वागत किया, वहीं गांव के गणमान्य लोगों ने उपायुक्त को शॉल और गुलदस्ते भेंट कर सम्मानित किया। उपायुक्त ने स्कूल के मेधावी छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया। पुस्तकालय के ट्रस्टी इंद्रपाल बिश्नोई ने बताया कि इसमें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के साथ-साथ डिजिटल सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी। उपायुक्त ने ट्रस्ट द्वारा ग्रामीण अंचल में की गई इस पहल की सराहना की, जिसमें प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें भी उपलब्ध हैं। उपायुक्त ने कहा कि आज समाज में ऐसे लोग भी मौजूद हैं जो कुछ कर गुजरने की इच्छा रखते हैं और गंगा बिशन जोतराम चैरिटेबल ट्रस्ट ने भी वैसा ही कर दिखाया है।

हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 के विजेताओं के नाम

तेरहवां पुरस्कार (सांत्वना पुरस्कार) (151 से 200)

❖ शंकर लाल पुत्र श्री राम अवतार निवासी गांव हनुमान ढाणी, जिला भिवानी ❖ कार्तिक पुत्र श्री श्याम सुन्दर निवासी वार्ड नं. 6, गांव चांग, भिवानी ❖ बिशम्बर पुत्र श्री हरीश चन्द्र निवासी गांव लहलाना जिला भिवानी ❖ भूप सिंह वशिष्ठ पुत्र श्री रामगोपाल निवासी मकान नं. 41, चौखमइश, भिवानी ❖ श्रेयांश पुत्र श्री संजीव कुमार निवासी अलबेला गली, जैन चौक, भिवानी ❖ प्रिया पुत्री श्री संदीप कुमार निवासी सीसीएसएचएयू, गेट नं.2, हिसार ❖ पूजा पत्नी श्री बिजेन्द्र निवासी गांव नकीपुर जिला भिवानी ❖ रविन्द्र पुत्र श्री राजपाल निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ निखिल कुमार पुत्र श्री सोमबीर निवासी गांव तिगराना जिला भिवानी ❖ रोबिन पुत्र श्री कुलबीर निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ कुलदीप पुत्र श्री करतार सिंह निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ संदीप पुत्र श्री सुरत सिंह निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ प्रदीप पुत्र श्री हरिचन्द निवासी गांव प्रेम नगर, जिला भिवानी ❖ आकार दहिया पुत्र श्री कर्मवीर दहिया निवासी वार्ड नं. 3, गांव तिगराना, जिला भिवानी ❖ नेहा पत्नी आकाश दहिया निवासी वार्ड नं. 3, गांव तिगराना, जिला भिवानी ❖ आकाश पुत्र श्री संजय निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ जीवंश पुत्र श्री विकास निवासी ओल्ड बस स्टैंड, भिवानी ❖ अमित पुत्र श्री वेद प्रकाश निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ नवीन पुत्र श्री प्रदीप अरोड़ा निवासी मकान नं. 219, चिरंजीव कालोनी, भिवानी ❖ रोहित पुत्र श्री ओम प्रकाश निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ कांता पत्नी बलबीर शर्मा निवासी इंद्राज गार्डन के पीछे, बैंक कालोनी, भिवानी ❖ संदीप पुत्र श्री सुभाष निवासी नजदीक ओल्ड बस स्टैंड, भिवानी ❖ नीलम देवी पत्नी श्री मनोज कुमार निवासी गांव व डाकखाना तिगड़ाना, जिला भिवानी ❖ सोमबीर सिंह पुत्र श्री प्रभाती राम निवासी गांव तिगड़ाना, वार्ड नं. 3, जिला भिवानी ❖ प्राची पुत्री श्री विरेन्द्र निवासी ओल्ड बस स्टैंड, भिवानी ❖ मदन लाल पुत्र श्री रामधारी निवासी मकान नं. 582, सेक्टर 13, हुडा, भिवानी ❖ महाबीर सिंह पुत्र श्री चन्दगी राम निवासी गांव व डाकखाना दिनोद, वार्ड नं. 5, भिवानी ❖ धर्मवीर सिंह पुत्र श्री प्रभाती राम निवासी गांव तिगड़ाना वार्ड नं.3, जिला भिवानी ❖ मनोज कुमार पुत्र श्री प्रभाती राम निवासी गांव तिगड़ाना, जिला भिवानी ❖ सचिन पुत्र श्री कर्मबीर निवासी गांव तिगड़ाना जिला भिवानी ❖ सुमन देवी पत्नी श्री सोमबीर निवासी वार्ड नं.3, गांव तिगड़ाना जिला भिवानी ❖ रवि कुमार पुत्र श्री सोमवीर निवासी गांव तिगड़ाना जिला भिवानी ❖ सन्तोष देवी धर्मपत्नी करनबीर सिंह, दाड़ौली, चरखी दादरी ❖ पूर्वांशी सुपुत्री सोमबीर, दगड़ौली, चरखी दादरी ❖ भूपेश सुपुत्र श्री सोमबीर, दगड़ौली, बाढ़ड़ा, चरखी दादरी ❖ श्री आनन्द सुपुत्र प्रभु सिंह, एमसी कॉलोनी, चरखी दादरी, तह. जिला चरखी दादरी ❖ श्री पवन कुमार हेयर ड्रेसर, सुपुत्र श्री सुभाष चंद्र, हीरा चौक, बधवाना गेट, तह. व जिला चरखी दादरी ❖ श्री दलबीर सिंह सुपुत्र श्री शीशराम नंबरदार, बिरही कलां, तह. व जिला चरखी दादरी ❖ श्री जय भगवान सुपुत्र श्री नफे सिंह, 1344/1, लाल बहादुर शास्त्री नगर, रोहतक ❖ श्री रामकवार सुपुत्र श्री गुगुनराम (पानन्य), गांव व डा. करौंथा, शीतल नगर, रोहतक ❖ श्रीमति पूजा पत्नी श्री सुनील चावला, म.नं. 304, बड़ा पाना, कलानौर, रोहतक ❖ श्री धर्मवीर सुपुत्र मीर सिंह, गांव व डा. बलियाणा, तह. सांपला, रोहतक ❖ श्री यागेश सुपुत्र नरेंद्र, गांव व डा. अजायब, तह. महम, रोहतक ❖ श्री भास्कर राय सुपुत्र श्री रामचंद्र राय, 824/20, एकता कॉलोनी, रोहतक ❖ श्री संजय सुपुत्र श्री रामतीर्थ शर्मा, 1035/1, शास्त्री नगर, रोहतक ❖ श्री मनमोहन सुपुत्र श्री नरेंद्र जिंदल, गांव व डा. अजायब, तह. महम, रोहतक ❖ श्रीमति राजरानी पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार, गांव व डा. अजायब, तह. महम, रोहतक ❖ श्री नरेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री महावीर प्रसाद, गांव व डा. अजायब, तह. महम, रोहतक ❖ श्री अशोक सुपुत्र श्री ओमप्रकाश, अग्रसेन कॉलोनी, रोहतक ❖ श्री दीपक सुपुत्र श्री अशोक, अग्रसेन कॉलोनी, रोहतक

क्रमशः
शेष विजेताओं की सूची अगले अंक में देखें
आवश्यक सूचना :

1. सभी पुरस्कारों का वितरण 1 दिसम्बर 2025 से किया जाएगा।
2. पुरस्कार संख्या 1 से 3 तक के विजेताओं को हरिभूमि मुख्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, रोहतक से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
3. पुरस्कार संख्या 4 से 13 उपहार के विजेताओं को संबंधित हरिभूमि कार्यालय अभिकर्ता से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
4. यदि किसी भी पुरस्कार पर सरकार के नियमानुसार टी.डी.एस. लागू होगा तो विजेता को लागू टी.डी.एस. की राशि हरिभूमि कार्यालय में एडवांस में जमा करनी होगी।
5. पुरस्कार प्राप्त करने के लिए आपको अपने साथ पुरस्कार विजेता की फोटो आईडी की फोटो प्रति जमा करनी होगी। मूल प्रति को मिलान हेतु साथ में लाना अनिवार्य है।
6. अधिक जानकारी के लिए आप निम्न नम्बरों पर हरिभूमि प्रसार विभाग में प्रात: 11.00 से सायं 4.00 बजे तक सम्पर्क कर सकते हैं :- फोन : 9253681019-20

- कार्यालय पता -

हुडा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

विद्यार्थी पढ़ाई के साथ खेलों में भी बढ़ चढ़कर लें भाग : सुरेंद्र कूकणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओढां।

ओढ़ा। नुहियांवाली स्कूल में आयोजित समारोह में विजेता खिलाडियों को पुरस्कार देकर सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नुहियांवाली में शनिवार को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें ब्लॉक समिति ओढ़ा के सदस्य सुरेंद्र कुकना ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। विद्यालय के हिंदी प्रवक्ता पवन देमीवाल ने बताया कि गत 14 नवम्बर को बाल दिवस पर विभिन्न प्रकार की जो खेलकूद प्रतियोगिताएं करवाई गई थी। आज मुख्य अतिथि द्वारा प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले खिलाडिय़ों को पदक देकर सम्मानित किया। सुरेंद्र कुकना ने विद्यालय के चारों हाउस मून, अर्थ, सन व मार्स हाऊस के सभी प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले खिलाडिय़ों को गोल्ड, सिल्वर व ब्रांज मेडल देकर सम्मानित किया। ओवरआल ट्राफी मार्स हाऊस को दी गई क्योंकि इस हाऊस ने सबसे ज्यादा 13 गोल्ड मेडल सहित कुल 28 मेडल प्राप्त किये थे। दूसरे स्थान पर मून हाऊस ने11 गोल्ड मेडल सहित कुल 27 मेडल लिए ओर सन हाऊस 6 गोल्ड व कुल 17 मेडल लेकर तीसरे स्थान पर रहा।

नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में करवाई वाद-विवाद प्रतियोगिता

■ सिनेमा आज की युवा पीढ़ी को प्रभावित करने वाला सबसे प्रभावशाली माध्यम : पूनम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन महाविद्यालय में प्रैस एंड मीडिया कमेटी की ओर से शनिवार को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टीवल ऑफ इंडिया के तहत शिक्षा में सिनेमा की भूमिका विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ. पूनम मिगलानी ने कहा कि वर्तमान समय में सिनेमा आज की युवा पीढ़ी को प्रभावित करने वाला सबसे प्रभावशाली माध्यम है। यह हमारी सोच, भावनाओं और व्यवहार को गहराई से प्रभावित करता है। इस प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इसमें छात्रों ने पक्ष-विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता के पक्ष में छात्रों ने कहा कि सिनेमा सीखने को रोचक, यादगार बनाने के साथ-साथ मूल्यों, आलोचनात्मक सोच और सामाजिक जागरूकता का विकास करता है, जबकि इसके विपक्ष में उन्होंने कहा कि इससे छात्रों का पढ़ाई से ध्यान भटक सकता है, फिल्मों का आकर्षण छात्रों को किताबों और गंभीर अध्ययन से दूर कर सकता है और इसके साथ अवास्तविक अपेक्षाएं जैसे-लग्जरी जीवन, रोमांस, हिंसा जैसी चीजें छात्रों के मन में झूठी अपेक्षाएं पैदा कर सकती है।

कार्यक्रम | सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर गांव रामनगरिया से निकली एकता

पटेल ने देश को जोड़ने का काम किया : यतिंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। सरदार पटेल की जयंती पर निकाली गई पदयात्रा में शामिल भाजपा नेता व अन्य लोग। फोटो : हरिभूमि

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को सिरसा जिले के गांव रामनगरिया से द्वितीय पदयात्रा का आयोजन किया गया। पदयात्रा का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष यतिंद्र सिंह एडवोकेट ने राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय रामनगरिया से हरी झंडी दिखाकर किया। जिलाध्यक्ष यतिंद्र सिंह ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने भारत की अखंडता को बनाए रखते हुए देश को एकसूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक कार्य किया। हमें जाति, क्षेत्र और भाषा के आधार पर विभाजित नहीं होना है, बल्कि एकजुट होकर प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के सपने को साकार करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पदयात्राएं युवाओं में देशभक्ति और सामाजिक एकता को मजबूत बनाने का कार्य करती हैं। सरदार पटेल के विचार आज भी राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने देश का अखंड बनाया है और उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। हरको चेयरमैन वेद फूला ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन राष्ट्र-निर्माण और अटूट दृढ़ता का प्रतीक है। उन्होंने आजादी के समय 562 रियासतों को एकजुट कर आधुनिक भारत की मजबूत नींव रखी। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे कार्यक्रम युवाओं में देशप्रेम की भावना जगाते हैं और उन्हें नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने की प्रेरणा देते हैं। पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन, त्याग और राष्ट्र हित सर्वोपरि रखने की सोच नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक है। आजादी के बाद 562 रियासतों का भारत में विलय कर देश को अखंड स्वरूप देने का श्रेय पटेल को जाता है। उन्होंने गुजरात में स्थापित 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को इतिहास जानने की आवश्यकता पर बल दिया।

खबर संक्षेप

छात्राओं के लिए होगी ऑन द स्पाट पेंटिंग प्रतियोगिता

नरवाना। राजकीय विद्यालयों में पढने वाली छात्राओं की प्रतिभा को निखारने के लिए शिक्षा विभाग द्वारा कक्षा नौवीं से 12वीं कक्षा में पढने वाली छात्राओं के लिए ऑन द स्पाट पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसमें छात्राएं वाटर कलर, आयल पेस्टल कलर, चारकोल पेंसिल, पोस्टर कलर व कलर पैलेट का प्रयोग किया जा सकता है।

मारपीट करने पर चार के खिलाफ मामला दर्ज

जींद। गांव नगूरां में रंजिशन महिला के साथ मारपीट करने पर अलेवा थाना पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव नगूरां निवासी नीलम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी पडोसी संदीप परिवार से कहासुनी हो गई। जिसके चलते संदीप परिवार ने उसके साथ मारपीट की।

मेरा पसंदीदा श्लोक साझा करें, इनाम पाएं

जींद। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के तहत गीता ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मेरा पसंदीदा श्लोक ऑनलाइन प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। यह प्रतियोगिता आम नागरिकों, युवाओं और विद्यार्थियों को गीता के शाश्वत संदेश से जोडने का एक श्रेष्ठ अवसर प्रदान करती है। डीआईपीआरओ कृष्ण कुमार ने बताया कि प्रतिभागियों को गीता के किसी भी श्लोक से जुड़ा अपना प्रेरणादायक अनुभव 40 सेकेंड के वीडियो के रूप में सांझा करना होगा।

इंटर स्कूल साइंस और मैथ क्विज आयोजित

जींद। अहिरका के आर्य सीनियर सैकेंडरी स्कूल में कक्षा नौवीं और दसवीं का इंटर स्कूल साइंस क्विज व कक्षा चौथी व पांचवीं का इंटर स्कूल मैथ क्विज का आयोजन किया गया। इसमें होली हार्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल और कल्पना स्कूल की टीमें आर्य स्कूल में आई। इसमें 10 राउंड करवाए गए व अंत में रेपिड फायर राउंड करवाया गया।

मंडी से धान की 14 बोरी चोरी, मामला दर्ज

जींद। गांव अलेवा अनाज मंडी से 14 बोरी धान फसल की गायब होने पर अलेवा थाना पुलिस ने आढ़ती की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव गोहिया निवासी यशपाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी गांव अलेवा मंडी में आढ़त की दुकान है। बीती रात चोरों ने 14 बोरी धान फसल की चोरी कर ली। घटना का सुबह उस समय पता चला जब उसने अपने स्टॉक को संभाला।

संदिग्ध हालात में युवती लापता, मामला दर्ज

जींद। गांव लिजवाना कलां से युवती के संदिग्ध हालात में गायब होने पर जुलाना थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव लिजवाना कलां निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी 15 वर्षीय बेटी घर से गायब हो गई। तलाशने तथा पूछताछ करने पर उसकी बेटी का कोई सुराग नही लगा।

इंडिपेंडेंट यूथ फ्रंट ने वीसी को सौंपा ज्ञापन

जींद। इंडिपेंडेंट यूथ फ्रंट ने शनिवार को चौधरी रणबीर सिंह विवि के कुलपति प्रो. रामपाल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से छात्रावास के भोजन समय में बदलाव की मांग की गई है। संगठन की अध्यक्ष रिचा भंडारी, उपाध्यक्ष पलक शर्मा के नेतृत्व में संगठन कार्यकर्ता वीसी से मिले। उन्होंने बताया कि वर्तमान में दोपहर के भोजन का समय दोपहर एक बजे निर्धारित है।

फार्मेसी परिषद में डाक्यूमेंट्स पूरे करें

जींद। राज्य फार्मेसी परिषद ने पंजीकरण की प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष और सुगम करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। जिन आवेदकों द्वारा पंजीकरण के लिए अभी तक दस्तावेज परिषद में जमा नही किए गए हैं, उनको यह प्रक्रिया पूरी करने के लिए अतिरिक्त अवसर देने का निर्णय लिया है।

गोपाल विद्या मंदिर वमावि में स्थापना के 50 साल पूरे होने पर स्वर्ण जयंती समारोह

गौरवपूर्ण यात्रा को समर्पित सांस्कृतिक कार्यक्रम व प्रदर्शनी से मोहा सबका मन

गोपाल विद्या मंदिर सिर्फ शिक्षण संस्था भर नही बल्कि हमारी आत्मा का घरः चुघ

गोपाल विद्या मंदिर संस्कारों की आधारशिला : राजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गोपाल विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ने अपनी स्थापना के 50 साल पूरी होने पर स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन किया। पहले दिन जिले सहित प्रदेश के अनेक गणमान्य अतिथियों ने शिरकत की। कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण स्कूल के 50 वर्ष की उपलब्धियों का स्मरण रहा। जिसमें छात्रों की शैक्षिक, सांस्कृतिक, खेल एवं विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों को विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे डिप्टी स्पीकर हरियाणा के प्रतिनिधि राजन चिलाना ने कहा कि गोपाल विद्या मंदिर की उपलब्धियों की नींव उसके मजबूत संस्कारों पर टिकी है। उन्होंने आगे कहा कि बीते पांच दशकों में इस विद्यालय ने न केवल शैक्षिक गुणवत्ता में अग्रणी स्थान कायम किया है बल्कि खेल, संगीत, विज्ञान और कला के क्षेत्र में भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त करके एक लंबी श्रृंखला स्थापित की है। यह सफलता विद्यालय की समर्पित शिक्षण टीम, विद्यार्थियों की प्रतिभा एवं समाज के सहयोग से ही संभव हो पाई है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीआरएसयू जींद की कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन ने की। उन्होंने विद्यालय द्वारा आयोजित भव्य चित्रकला प्रदर्शनी का विधिवत उद्घाटन किया तथा छात्रों की कलाकृतियों को अत्यंत सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि छात्रों में रचनात्मकता को प्रोत्साहन देने की यह पहल वास्तव में सराहनीय है और इसी प्रकार के आयोजन बच्चों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्य सूचना आयुक्त कर्मवीर सैनी ने समारोह में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और कहा कि ऐसी शिक्षण संस्थाएं समाज को दिशा देने का कार्य करती हैं। विद्या भारती हरियाणा प्रांत के सहसंगठन मंत्री नीरज ने अपने संबोधन में विद्या भारती के उद्देश्यों और शिक्षा के साथ संस्कारों के समन्वय पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य अजय कुमार एवं विद्यालय प्रबंधक समिति के अध्यक्ष जगन्नाथ शर्मा ने सभी आगंतुकों का हार्दिक स्वागत किया और पूर्व आचार्यों, पूर्व प्राचार्यों, भूतपूर्व विद्यार्थियों एवं नगर के अन्य गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित किया।

जींद। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते बच्चे। फोटो :हरिभूमि

जींद। कार्यक्रम का शुभारंभ करते डिप्टी स्पीकर प्रतिनिधि राजन चिलाना।

खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्रथम प्रबंधक समिति के वरिष्ठ सदस्य संतलाल चुघ ने भावुक होते कहा कि गोपाल विद्या मंदिर सिर्फ एक शिक्षण संस्था भर नही बल्कि हमारी आत्मा का घर है। समाज और व्यवस्थापन के संयुक्त प्रयासों से ही हम आज इस मुकाम तक पहुंचे हैं और भविष्य में भी राष्ट्र निर्माण के महान उद्देश्य के लिए इसी समर्पण के साथ कार्यरत रहेंगे। उत्सव के प्रथम दिन विद्यालय के 50 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा को समर्पित सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रदर्शनी ने सभी का मन मोह लिया। आगे आने वाले दिनों में भी स्वर्ण जयंती समारोह के अंतर्गत अनेक सांस्कृतिक साहित्यिक और खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

राजकीय महाविद्यालय छात्रों ने किया ट्रेड फेयर का भ्रमण

जींद। राजकीय महाविद्यालय महिला सेल द्वारा एक दिवसीय ट्रेड फेयर टूर का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस टूर का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को नवीनतम उद्यमों, हुनर विकास, स्थानीय उत्पादों तथा स्वरोजगार के अवसरों से परिचित कराना था। सुबह निर्धारित समय पर सभी सदस्य एकत्रित हुए और बस द्वारा उत्साह एवं उमंग के साथ ट्रेड फेयर के लिए रवाना हुए। यात्रा के दौरान महिला सदस्यों ने परस्पर बातचीत करते हुए अनुभव सांझा किए और आपसी सौहार्द एवं सहयोग का वातावरण बना रहा। ट्रेड फेयर पहुंचने पर सभी प्रतिभागियों ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। इनमें हस्तशिल्प, कपड़ा उद्योग, गृह सज्जा, जैविक उत्पाद, खाद्य सामग्री, घरेलू उपयोग की वस्तुएं, स्टार्टअप प्रदर्शनी तथा स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पाद शामिल थे। महिलाओं ने न केवल इन उत्पादों को देखाए बल्कि कई जगहों पर उद्यमियों से सीधे बातचीत कर उत्पादन प्रक्रिया और व्यवसाय मॉडल के बारे में जानकारी भी प्राप्त की। इस दौरान महिला सेल की सदस्यों ने सेल्फ. हैल्प ग्रुप उत्पादों के लिए नई तकनीकों, पैकेजिंग, मार्केटिंग और बिक्री के तरीकों के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी एकत्रित की।

बिहार में वोट चोरी नही लोगों का दिल जीता : टेकराम कंडेला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा सहकारी श्रम एवं निर्माण प्रसंग के पूर्व अध्यक्ष व भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता टेकराम कंडेला ने कहा कि बिहार के विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के विकास के नाम पर लोगों का दिल जीत लिया है। उन्होंने पूरे भारत में विकास करके भारत को विकसित भारत बनाने का कार्य कर रहे हैं। लोगों ने उनके इस कार्य पर मोहर लगाते बिहार चुनाव में इंडिया गठबंधन के दुकान पर ताला लगा दिया है। जो वोट चोरी का आरोप झूठा लगाते रहे हैं लोगों ने यह साबित कर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वोट चोरी नही की बल्कि बिहार के लोगों का दिल जीता है। कंडेला ने बोलते हुए कहा कि देश आजाद होने के बाद कांग्रेस पार्टी के लोगों ने प्रधानमंत्री के पद को चुराने का काम किया था। जबकि उस समय प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को बनना था। कांग्रेस पार्टी ने वोट चोरी कर पंडित जवाहरलाल नेहरू को प्रधानमंत्री बना दिया था। अगर उसी समय सरदार पटेल को प्रधानमंत्री बनाया होता ना तो पाकिस्तान बनता और न ही जम्मू कश्मीर में आतंकवाद की समस्या पैदा होती। आज देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरदार वल्लभभाई पटेल की सबसे ऊंची स्टेच्यू गुजरात में बनवाने का कार्य किया है व उनके दिखाए गए मार्गदर्शन को आगे बढ़ा रहे हैं।

पंजाब में भी कमल खिलेगा

कंडेला ने बिहार के लोगों को इस चुनाव की जीत पर बधाई देते कहा कि हरियाणा प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री ने जहां पर चुनाव का प्रचार किया वहां की सारी सीटें भारतीय जनता पार्टी ने जीतने का काम किया। इसी प्रकार दिल्ली में प्रदेश के मुख्यमंत्री जहां पर भी चुनाव का प्रचार किया वहां पर भी पार्टी की जीत हुई आने वाले पश्चिम बंगाल व पंजाब के विधानसभा चुनाव पर बोलते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंजाब में भी पूरी तरह सक्रिय हो चुके हैं। आने वाले पंजाब के विधानसभा चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी की जीत निश्चित है। कंडेला ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि नायब सिंह सैनी की बढ़ती हुई लोकप्रियता से सारे विपक्षी दल घबरा चुके हैं। क्योंकि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा में तीसरी बार प्रदेश मे भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने का काम किया।

मजदूरों को गुलाम बनाने वाले चारों लेबर कोड्स रद किए जाएं

जींद। गांव रूपगढ़, पोंकरीखेड़ी, ईगराहए बीबीपुर, रामगढ़, घिमाना आदि गांवों में मनरेगा मेट एवं मजदूरों की आम बैठकें हुई। इनमें मनरेगा मेट एवं मजदूर यूनियन हरियाणा के राज्य प्रधान रमेश चंद्र, राज्य कमेटी सदस्य राजेश कुमार ने संबोधित किया। वक्ताओं ने बताया कि केंद्र की मोदी सरकार ने कल चार लेबर कोड्स लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी। इनके लागू होने से संघर्षो से हासिल किए गए 29 श्रम कानून रद्द हो गए और मजदूरों को गुलाम बनाने वाले लेबर कोड्स पूरे देश में लागू हो गए। इसके अलावा प्रदेश सरकार ने केंद्रीय जांच टीम की सिफारिश को मानते 5 अगस्त को मनरेगा के 17 प्रकार के काम बंद कर दिए।

हिंदू कन्या कालेज में गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

जींद। हिंदू कन्या कालेज के गणित विभाग द्वारा एक गणित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डा. पूनम मोर तथा संचालन गणित विभाग की सहायक प्रोफेसर अंजू ने किया। इस प्रतियोगिता में पांच टीमों ने भाग लिया। जिसमें बीए गणित मेजर द्वितीय वर्ष की छात्रा गरिमा धीमान तथा एमएससी गणित प्रथम वर्ष की छात्रा पूजा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर बीए गणित मेजर द्वितीय वर्ष की छात्रा साक्षी तथा बीए गणित मेजर तृतीय वर्ष की छात्रा वृंदा रही। तृतीय स्थान बीए गणित मेजर द्वितीय वर्ष की छात्रा श्रुति तथा एमएससी गणित प्रथम वर्ष की छात्रा सोनम ने प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में सभी छात्राओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। पर प्राचार्या डा. पूनम मोर ने गणित विषय के महत्व पर प्रकाश डालते कहा कि गणित सभी विज्ञानों की रानी है और गणित सीखने का सिर्फ एक ही रास्ता है गणित का अभ्यास करना। प्राचार्या ने प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाते उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

जींद। छात्राओं को संबोधित करते हुए वक्ता। फोटो :हरिभूमि

जुलाना। रैली को लेकर निमंत्रण देने पहुंचे पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला।

जुलाना रैली का घर-घर जाकर दे निमंत्रण : दुष्यंत

उचाना। सात दिसंबर को जुलाना में होने वाली जेजेपी के स्थापना दिवस पर रैली के लिए पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने विभिन्न गांव में जाकर निमंत्रण दिया। सुदकैन खुर्द, सुदकैन कलां, काब्रच्छा, अलीपुरा, करसिंधु, पालवां गांव वो पहुंचे। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जो हमारे खिलाफ विरोधियों ने दुष्प्रचार किया था उसको अब जनता समझने लगी है। किसानों को न तो पीआर धान का दाम मिला न ही समय पर पेमेंट मिली। खेती के लिए डीएपी, यूरिया नही मिला। किसानों पर भाजपा सरकार के एक साल में खाद लेने के लिए लाठियां तक पुलिस ने चलाई। बुजुर्गों से झूठे वायदे किए गए कि एक नवंबर पर 200 रुपये पेंशन बढ़ेगी लेकिन एक रुपया तक नहीं बढ़ाया गया। महिलाओं के लिए लाडो लक्ष्मी योजना शुरू की गई। अब स्कीम पर स्कीम बना दी कि आधा रुपया छह महीने बाद मिलेगा। उन्होंने कहा कि परिवार पहचान पत्र का बहाना बना कर राशन कार्ड, बुजुर्गों की पेंशन काटनी शुरू कर दी। लाडो लक्ष्मी योजना के लिए जिन महिलाओं ने फार्म भरें, उनमें से भी कम महिलाओं को इस योजना में शामिल किया गया।

छात्रों को सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के गुर सिखाए

जींद। राजकीय कालेज में गाइडेंस ब्यूरो एवं प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में सिविल सेवाओं की प्रभावी तैयारी हेतु रणनीतियां एवं कौशल विषय पर विस्तार व्याख्यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों को सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए आवश्यक रणनीतियों, अध्ययन तकनीकों और कौशल से अवगत कराना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डा. सुरेन्द्र एचसीएस जिला नगर निगम आयुक्त रहे। जिन्होंने विद्यार्थियों को सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के विभिन्न चरणों, उत्तर लेखन शैली, समय प्रबंधन, उचित अध्ययन सामग्री चयन तथा व्यक्तित्व विकास पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हेतु निरंतर अभ्यास, एकाग्रता, धैर्य और सकारात्मक दृष्टिकोण को अत्यंत आवश्यक बताया। इस कार्यक्रम में लगभग 100 विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया तथा व्याख्यान के दौरान उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछते हुए संवाद को और अधिक प्रभावी बनाया। कार्यक्रम का आयोजन प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी डा. सुनीता मेहरा द्वारा किया गया।

जींद। छात्रों को संबोधित करते मुख्य वक्ता डा. सुरेन्द्र। फोटो :हरिभूमि

नरवाना। प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी। फोटो :हरिभूमि

अंतर महाविद्यालय बॉक्सिंग पुरुष प्रतियोगिता आयोजन

नरवाना। चौधरी रणबीर सिंह विवि की अंतर महाविद्यालय बॉक्सिंग पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन के एम राजकीय महाविद्यालय में करवाया जिसमें विवि से संबंधित कॉलेज के बॉक्सिंग खिलाड़ियों ने भाग लिया प्रतियोगिता का आरंभ कालेज की प्राचार्य मीनू सिंह ने किया तथा खिलाड़ियों को संबोधित करते उन्हें खेल के विशेषताओं तथा खेल को खेल की भावना से खेलने की योग्यता पर प्रकाश डाला तथा मेजर सुरेंद्र कुमार ने इस प्रतियोगिता के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डॉक्टर नरेश देशवाल भी इस प्रतियोगिता में उपस्थित रहे प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे 50 किलो में प्रथमए आर्यन छोटू राम किसान कॉलेज जींद ए55 किलो में आर्यन चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी प्रथम 60 किलो में प्रथम धीरज के एम राजकीय महाविद्यालय नरवाना,65 किलो में प्रथम नितिन के नरवाना 70 किलो में प्रथम नवदीप नरवाना75 किलो में प्रथम निशांत नरवाना 80 किलो में प्रथम सुरेंद्र नरवाना तथा 85 किलो में प्रथम रहे।

गुहला चीका। दीप प्रज्ज्वलित कर योग शिविर का शुभारंभ करते अतिथि।

पांच दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ

गुहला चीका। खरौदी रोड स्थित भगवान श्री परशुराम धर्मशाला में भारत स्वाभिमान एवं पतंजलि योग समिति के तत्वावधान में शनिवार को पांच दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर की शुरुआत धर्मशाला के प्रधान जय भगवान शर्मा व पतंजलि के जिला प्रभारी आचार्य हरिओम शोकल ने दीप प्रज्ज्वलित कर की। आचार्य हरिओम शोकल ने बताया कि योग ही जीवन का सार है। तेज रफ्तार वाली जिंदगी में लोग खुद के स्वास्थ्य के लिए समय नहीं निकाल पा रहे हैं। यदि व्यक्ति प्रतिदिन मात्र एक घंटा योग करे, तो वह कई बीमारियों से दूर रह सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल के कारण आज योग विश्व स्तर पर अपनी अलग पहचान बना चुका है। योग के माध्यम से व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है। उन्होंने बताया कि यह योग शिविर 22 से 26 नवंबर तक आयोजित किया गया है, जिसमें प्रशिक्षकों द्वारा योगाभ्यास के साथ सैद्धांतिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। शिविर के पहले दिन दर्जनों साधकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में भाजपा युवा मंडल अध्यक्ष अमित जिंदल, आर्य देव राज शर्मा, टेक चंद शर्मा, राजेश शर्मा, जय भगवान, शीशपाल, विक्की आर्य, ईश्वर सिंगल, सुशील जिंदल और दीपक जिंदल आदि मौजूद रहे।

जयपुर अस्पताल में पेशाब की थैली का सफल आपरेशन

कैथल। जयपुर अस्पताल में एक ऐसा मामला सामने आया कि डॉक्टर्स भी कुछ पल के लिए अवाक रह गए। आमतौर पर कॉपर-टी गर्भनिरोधक के तौर पर बच्चेदानी में लगाई जाती है, लेकिन इस महिला के केस में कॉपर-टी बच्चेदानी को छोड़कर सीधेपेशाब की थैली में जा पहुंची और वहां जाकर उस पर स्टोन बन गया। जानकारी के मुताबिक, महिला पिछले कुछ समय से पेशाब रुकने की समस्या से परेशान थी। जब वह जयपुर अस्पताल पहुंची तो डॉक्टर्स ने तुरंत अल्ट्रासाउंड व अन्य जांच करवाए। रिपोर्ट देखते ही डॉक्टर्स हैरान—महिला की बच्चेदानी क्षेत्र में स्टोन जैसा कुछ दिखाई दे रहा था। सर्जन डॉ. डी.एस. पंवार और स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. फलोरिका दास ने मिलकर महिला का ऑपरेशन शुरू किया। लेकिन जैसे-जैसे ऑपरेशन आगे बढ़ा, मामला उतना ही चौंकाता गया। डॉ. पंवार ने बताया—महिला ने करीब 10 साल पहले कॉपर-टी लगवाई थी। किसी विशेष परिस्थितियों के चलते वह अपनी जगह से खिसककर पेशाब की थैली में चली गई। वहीं पर उसके ऊपर धीरे-धीरे स्टोन बनने लगा। डॉ. फलोरिका दास ने बताया—मेरी प्रैक्टिस में यह पहला केस है। हमने बाद में मेडिकल जर्नल्स में रिसर्च की तो पता चला कि विश्वभर में ऐसे केवल 50-60 मामले ही दर्ज हुए हैं। यानी यह मेडिकल लाइन का सुपर-रेयर केस है।

कैथल। सर्जन डॉ. डीएस पंवार और स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. फलोरिका दास।

मार्केट कमेटी कार्यालय में आयोजित बैठक में भाग लेते अध्यक्ष में सदस्य।

सरकार आमजन की भलाई के लिए प्रतिबद्धः सतीश

कैथल। मार्केट कमेटी के चेयरमैन सतीश शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सभी सदस्य मौजूद रहे और मुख्यमंत्री मजदूर किसान जीवन सुरक्षा योजना 2013 के तहत प्राप्त आवेदनों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान पात्र लाभार्थियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाने संबंधी प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया। अध्यक्ष सतीश शर्मा ने बताया कि सरकार की यह योजना किसानों, मजदूरों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए एक बड़ी राहत है। मार्किट कमेटी में जैसे ही कोई आवेदन प्राप्त होता है, उस पर तुरंत कार्रवाई की जाती है। कहा कि यदि किसी आवेदक को किसी प्रकार की दिक्कत आती है, तो वह सीधे मुझसे संपर्क कर सकता है। समिति का उद्देश्य है कि पात्र व्यक्तियों को बिना देरी के सहायता मिल सके। बैठक में आए सभी प्रस्तावों को ध्वनिमत से पारित किया गया। सदस्यों ने कहा कि पारदर्शिता और तेजी के साथ योजना से जुड़े मामलों का निपटान किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय हुआ कि जरूरतमंद परिवारों तक योजना की जानकारी पहुंचाने के लिए जागरूकता बढ़ाई जाएगी, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। सतीश शर्मा ने कहा कि सरकार किसानों, मजदूरों व आम जन की भलाई के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और मार्केट कमेटी का प्रयास रहेगा कि हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे।

गोल्ड लाइफ स्कूल में हस्तलिखित सेमिनार

राजौंद। गोल्ड लाइफ स्कूल में हस्तलिखित लेखन कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में विश्व रिकॉर्ड होल्डर ओमप्रकाश सिवाच ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया और विद्यार्थियों को सुंदर व स्पष्ट लिखावट के महत्व और तकनीकों से अवगत कराया। सेमिनार की शुरुआत में विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा अतिथि का स्वागत किया। इसके बाद ओमप्रकाश सिवाच ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सुंदर लिखावट केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाने का माध्यम नहीं, बल्कि यह व्यक्ति की सोच, अनुशासन और व्यक्तित्व को भी दर्शाती है। उन्होंने बच्चों को अक्षरों की सही बनावट, पेन पकड़ने का सही तरीका, लाइन में लिखने का अभ्यास और नियमित अभ्यास की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया।

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में निकाली जा रही

नगर कीर्तन यात्रा में उमड़ा भक्तिभाव का जनसैलाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में निकाली जा रही शहीदी नगर कीर्तन यात्रा में भक्ति और श्रद्धा का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ पड़ा। धर्म की रक्षा और मानव अधिकारों के लिए गुरु जी के सर्वोच्च बलिदान के संदेश को जन-जन तक पहुँचा रही इस यात्रा का शहर में जगह-जगह पुष्प वर्षा और भव्य स्वागत के साथ अभिनंदन किया। नगर कीर्तन यात्रा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी ने विशेष रूप से भाग लिया और गुरु तेग बहादुर जी को नमन किया। उन्होंने गुरु जी के बलिदान को याद करते हुए कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का जीवन हमें बलिदान, धर्म रक्षा और निडरता का पाठ पढ़ाता है, और यह शहीदी यात्रा उनके इन महान संदेशों को आज की पीढ़ी तक पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम है। शनिवार को शहीदी यात्रा कैथल स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा नीम साहिब से शुरू हुई। सैकड़ों श्रद्धालुओं के साथ शुरू हुई यह यात्रा पूरे दिन अपने निर्धारित मार्ग पर आगे बढ़ी। धर्म और मानव अधिकारों का संदेश दिया। 23 नवंबर को सुबह यह यात्रा अपने अगले पड़ाव के लिए प्रस्थान करेगी, ताकि गुरु तेग बहादुर जी के त्याग और बलिदान की गाथा को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाया जा सके। यात्रा का सभी चौकों पर विभिन्न धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा फूल बरसाकर स्वागत किया गया। पुलिस अधीक्षक उपासना, एसडीएम अजय सिंह, डीएसपी सुशील प्रकाश, हैफेड के पूर्व अध्यक्ष कैलाश भगत, नगर परिषद की चेयरपर्सन सुरभि गर्ग, बलविंदर सिंह भिंडर बलदेव सिंह, प्रवीण प्रजापति, बाबा महेंद्र सिंह, परमजीत सिंह, बयंत सिंह, निर्मल सिंह, साहब सिंह, हर कीर्तन सिंह, सुरजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

कैथल। रवाना होती शहीद यात्रा व शहीद यात्रा का स्वागत करते कैलाश भगत तथा नप चेयरपर्सन सुरभि गर्ग।

प्रधानमंत्री मोदी का हरियाणा से विशेष लगावः डॉ. तायल

कहा : पच्चीस नवंबर को प्रदेश को देंगे कई सौगात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

जुलाना से भाजपा जिला महामंत्री डा. पुष्पा तायल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हरियाणा से विशेष लगाव है। हरियाणा के लोगों के दिलों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज करते हैं। प्रधानमंत्री का बार बार हरियाणा का दौरा इस बात को साबित करता है कि उन्हें प्रदेश की जनता से बेहद प्यार है। आगामी 25 नवंबर को कुरूक्षेत्र में आयोजित गुरू तेग बहादुर के बलिदान दिवस पर पहुंचकर प्रदेश की जनता को अनेकों सौगातें देने का काम करेंगे। डा. पुष्पा तायल ने कहा कि जींद जिले से हजारों की संख्या में लोग पहुंचकर देश के प्रधानमंत्री के विचार सुनेंगे। प्रधानमंत्री द्वारा कुरूक्षेत्र में निर्मित अनुभव केंद्र का उद्घाटन करेंगे जोकि पर्यटकों के लिए खोला जाएगा। पान्चन्य का उद्घाटन भी किया जाएगा। प्रधानमंत्री गीता जयंती समारोह में भी शामिल होंगे।

भाजपा नेत्री डा. पुष्पा तायल।

बदल रहा मौसम का मिजाज
बढ़ती गर्मी-घटती सर्दी

हालांकि इस वर्ष आने वाले दिनों के लिए कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना बताई जा रही है। लेकिन जिस तरह से मौसम का मिजाज वैश्विक स्तर पर बदल रहा है, उससे आगामी वर्षों में सर्दी की अवधि और उसकी तीव्रता घटती जाएगी। इसके उलट वर्षा कम होगी और गर्मी की तपिश बढ़ती जाएगी। इसके कई दुष्प्रभाव देखने को मिलेंगे। ऐसे में प्रभावी नीति बनाने के साथ सामूहिक प्रयास भी करने होंगे।

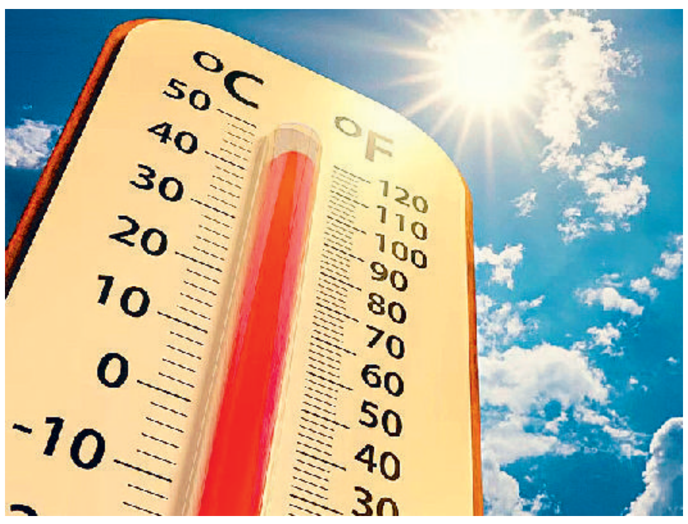

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

सर्दी धीरे-धीरे बढ़ रही है। मौसम विभाग की ताजा भविष्यवाणी के अनुसार आने वाले दिनों में उत्तरी भारत में प्रबल शीत लहर की आशंका है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस साल जबरदस्त ठंड पड़ेगी। वजह होगी पर्याप्त वर्षा और अलनीनो प्रभाव। मगर क्या इस दौरान हम कड़कड़ाती सर्दियों वाले दिनों के लंबे दौर भी देखेंगे? यह भी आशंका है कि ठेठ ठिठुरन वाले दिन कुछ कम ही रहेंगे। सर्द रातों और ठंडी हवाओं का कम होना, केवल मौसम का प्रश्न नहीं बल्कि जीवन के संतुलन से भी जुड़ा है। यदि सरकारों ने वैज्ञानिक नीतियों को जनजीवन से जोड़ने की गति नहीं बढ़ाई और आम लोगों ने जरूरी सहभागिता नहीं की तो आने वाले वर्ष 2100 तक भारतीय उपमहाद्वीप का मौसम ऐसा होगा, जहां 'गर्मी ही सामान्य' और 'सर्दी एक दुर्लभ अनुभव' रह जाएगी।

आने वाले वर्षों में घटेगी सर्दी

संयुक्त राष्ट्र संघ एन्वॉयर्नमेंटल पैनल ऑफ क्लाइमेट की रिपोर्ट बताती है कि 1980 से 2020 के बीच यानी चालीस सालों में बेहद ठंडी रातों और अत्यंत सर्द दिनों की संख्या में चार गुना की कमी आई है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते जमीनी सतह का तापमान बढ़ने से बाकी दिनों में भी ठंड सामान्य ही रह रही है। ऐसे में घने कोहरे वाले दिन भी साल दर साल घट रहे हैं। यदि मौजूदा रुझान जारी रहा तो साल 2050 तक भारत में भीषण सर्दी वाले दिनों में 60 से 70 प्रतिशत की उल्लेखनीय गिरावट आने और गर्मी वाले दिनों में तीन गुना बढ़ोत्तरी की आशंका है।

ठंड की अवधि होती जाएगी कम

नेचर पत्रिका के अध्ययन के अनुसार 2080 से 2100 के बीच गर्म दिनों और रातों की घटनाएं सात गुना तक बढ़ेंगी। इस कारण 'कड़ाके की ठंड के दिन' लगभग विलुप्त हो सकते हैं। फिलहाल यह तय है कि अब सर्दियां 'पिछली शताब्दियों जैसी लंबी और स्थायी' नहीं होंगी। ठंड की अवधि कुछ कम और तीव्रता अस्थाई रहेगी। अल्पकालिक मौसमी उतार-चढ़ाव बने रहने के साथ सर्दी में भी कभी-कभी बारिश, गर्मी और पश्चिमी विक्षोभ के जैसे मौसम के अतिरेकी तेवर देखने को मिलेंगे। पांच-सात दशकों के बाद सर्दी का लगभग लोप हो जाना भविष्य के लिए कितना विनाशकारी होगा, इसका अंदाजा भी भयावह है।

बदल रहा है मौसम का चक्र

इस बात के संकेत अब स्पष्ट होने लगे हैं कि हिमालय से लेकर दक्षिण तक मौसम का पारंपरिक चक्र तेजी से बदल रहा है। भारत 'गर्मी प्रधान देश' बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है।

उत्तराखंड में कई जगहों पर बीते एक-दो दशकों के बीच तापमान में सामान्यतः तीन डिग्री तक की बढ़त देखी गई है। कमोबेश यही हाल हिमाचल और कश्मीर का भी है। वैज्ञानिकों के अनुसार भारत में न्यूनतम तापमान प्रति दशक औसतन 0.2 डिग्री सेल्सियस की दर से बढ़ता जा रहा है। इसका मतलब है कि ठंडी हवाएं चलने की अवधि सिमटती जा रही है, जबकि गर्म रातें अब लंबी चलती हैं। इसका नतीजा यह है कि मिट्टी में नमी दिन-प्रतिदिन घट रही है। पेड़ कटने से हवा की नमी भी कम हो रही है। उधर जलस्रोत सूख रहे हैं, तो नदियों और पहाड़ी जलस्रोतों का पुनर्भरण कम हो रहा है और इसके चलते वर्षा चक्र अस्थिर हो गया है।

फसलों पर दिख रहा असर

हिमालयी और पर्वतीय राज्यों में इसका असर अब साफ दिख रहा है। सेब, केसर और बागवानी की अन्य फसलें जो ठंडी रात-दिन के अंतर पर निर्भर हैं, उनका उत्पादन गिरने लगा है। सेब के फूल बिन मौसम खिल जा रहे हैं, तो उनके पकने और रसीले होने के लिए जो कड़क सर्दी चाहिए, वह उनको लगातार कुछ दिनों तक नहीं मिल रही, सो गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ रहा है। किसान अब कम ऊंचाई पर 'ऊष्णकटिबंधीय फसलें', बाजरा और मक्का उगाने को मजबूर हैं, जिससे पहाड़ी कृषि की पारंपरिक पहचान मिटती जा रही है। फूलों और

औषधीय पौधों की जैवविविधता भी खतरे में है, उनकी रासायनिक गुणवत्ता, औषधीय प्रभावशीलता भी कम हो रही है, क्योंकि तापमान बढ़ने से परागण और फूलने का समय असंतुलित हो गया है, उनके रासायनिक संघटक बदल जा रहे हैं।

स्वास्थ्य-पर्यावरण पर पड़ेगा असर

पर्यावरणविद और मौसम विज्ञानी दोनों इस बात पर सहमत हैं कि बदलते मौसम की वजह से नमी विहीन सूखी गर्म हवाओं की अवधि 2050 तक दोगुनी हो सकती है। यह बदलाव खेती किसानी से लेकर जीवन के लिए आवश्यक जैविक सूक्ष्मजीवों के पनपने में असंतुलन तो पैदा करेगा ही, साथ ही कीट-रोगों के फैलाव जैसी समस्याएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार 2030 तक भारत में गर्मी से उपजी बीमारियों से मरने वालों की संख्या तीन गुना बढ़ सकती है। डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियां नए क्षेत्रों में भी पैर पसारेंगी। विशेष रूप से वृद्धजन, बच्चे और मजदूरी करने वाले सबसे अधिक जोखिम में हैं। जाहिर है इस प्रक्रिया से जनधन दोनों को बहुत नुकसान होगा। जंगलों में आग को भी इससे हवा मिलेगी। इस तरह सर्द रातों का घट जाना सिर्फ मौसम परिवर्तन नहीं बल्कि पारिस्थितिक संतुलन के अस्थिर होने का संकेत है।

होगा भारी आर्थिक नुकसान

भीषण सर्दी वाले दिनों के दौर कम होने से पैदा जलवायु असंतुलन का सीधा नुकसान अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य तंत्र पर पड़ेगा। बताते हैं, वैश्विक तापमान में चार डिग्री सेल्सियस का इजाफा, अर्थव्यवस्था को 40 फीसदी कमजोर कर देगा। अनुमान है कि जलवायु आपदाओं के कारण देश को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2 फीसदी तक घट सकता है। अगर दुनिया वैश्विक तापमान में होती वृद्धि को दो डिग्री सेल्सियस पर सीमित रखने में सफल भी हो जाती है, तो इसकी वजह से प्रति व्यक्ति औसत जीडीपी में 16 फीसदी की गिरावट आ सकती है।

बढ़ेंगी प्राकृतिक आपदाएं

घटती सर्दी, बढ़ती गर्मी के कारण श्रम उत्पादकता में कमी, जीडीपी को कम करेगी। फ्लैश फ्लड, बादल फटने एवं बाढ़ तथा भू-स्खलन की घटनाओं की संख्या और भयावहता दोनों बढ़ेंगी तो अवसंरचना को नुकसान होगा। इसका परोक्ष प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। *

बनना होगा एन्वॉयर्नमेंटल कॉन्शस

एन्वॉयर्नमेंटल मैनेजमेंट की ताजा रिपोर्टों ने भारत की जलवायु को लेकर जो गंभीर चेतावनी दी है, उसके प्रति सरकार और जनमानस में कितनी चिंता है, इसके प्रति उनका सरोकार कैसा है यह तो निकट भविष्य में पता चलेगा। लेकिन अब समय आ गया है कि सरकारों को इसके लिए बहुस्तरीय तैयारी करनी होगी। शहरों में 'ग्रीन बेल्ट' और कूलिंग-कॉरिडोर नीति को अनिवार्यतः लागू करना होगा। पर्वतीय राज्यों में जलवायु अनुकूल कृषि, जल संरक्षण, ग्लेशियर तथा निगरानी प्रणालियां बढ़ानी होंगी। शहरी इलाकों में हरित आवरण, वर्षा जल संचयन और ऊर्जा दक्ष भवनों को बढ़ावा देना होगा। जलवायु परिवर्तनों को सह सकने वाली फसलों के अनुसंधान को बढ़ावा मिलना चाहिए। जंगलों की कटाई पर रोक लगे। पर्यावरणीय चेतना को प्राथमिकता दिए बिना इस आसन्न संकट से बचाव कठिन है।

हम जैसा भोजन करते हैं, उससे हमारे स्वास्थ्य पर ही नहीं पर्यावरण पर भी असर होता है। कई स्टडीज में साबित हुआ है कि प्लांट बेस्ड डाइट हैबिट, हमारी हेल्थ और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में बहुत मददगार साबित हो सकता है। इस बारे में जानिए।

प्लांट बेस्ड डाइट हैबिट
स्वस्थ जीवन-सुरक्षित पर्यावरण

जीवनशैली
मोनिका सिन्हा

आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में जहां जंक फूड, नॉनवेज फूड्स और अत्यधिक प्रिजर्व्ड फूड्स हमारी थाली का हिस्सा बन चुकी हैं, वहीं वैज्ञानिक शोध बार-बार यह सिद्ध कर रहे हैं कि प्लांट आधारित भोजन यानी पौधों से उत्पन्न होने वाली डाइट, हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। यह न केवल शरीर को पोषण देता है बल्कि गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, मधुमेह और हृदय रोगों का जोखिम भी काफी हद तक कम करता है।

स्टडीज में हुआ खुलासा: जुलाई 2024 में वी. वियालोन और उनके सह-लेखकों द्वारा प्रकाशित एक वैज्ञानिक रिपोर्ट में यह बताया गया कि जिन लोगों की जीवनशैली में धूम्रपान, अत्यधिक शराब सेवन, असंतुलित खान-पान और अनियमित नींद जैसी आदतें शामिल नहीं थीं, उनमें टाइप 2 डायबिटीज, कैंसर और हृदय संबंधी रोगों का खतरा बहुत कम पाया गया। यह अध्ययन 'स्वस्थ जीवनशैली सूचकांक' पर आधारित था और इसका उद्देश्य यह समझना था कि व्यक्ति की आदतें उसके दीर्घकालिक स्वास्थ्य पर कितना प्रभाव डालती हैं।

कई बीमारियों से बचाए: प्लांट बेस्ड डाइट के फायदों को जानने की दिशा में किए गए डॉ. डी सुब्रमणियन के एक रिसर्च पेपर में यह बताया गया कि पौधों पर आधारित आहार लेने वाले लोगों में कैंसर और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बहुत कम होता है। इस अध्ययन में डेनमार्क, दक्षिण कोरिया, स्पेन और ब्रिटेन सहित कई देशों के लगभग चार लाख लोगों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग फलों, सब्जियों, साबुत अनाज, दालों और मेवों पर आधारित भोजन लेते हैं, उनमें 'मल्टीमॉर्बिडिटी' अर्थात एक साथ दो या अधिक दीर्घकालिक बीमारियों का खतरा, काफी घट जाता है। शोध में यह भी पाया गया कि प्लांट आधारित आहार इंसुलिन प्रतिरोध को कम करता है, जिससे शरीर में ग्लूकोज का स्तर नियंत्रित रहता है और मेटाबॉलिक बीमारियों पर काबू पाया जा सकता है।

कई पोषक तत्वों से होता है भरपूर: पौधों पर आधारित आहार उच्च फाइबर, विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है, जो शरीर को बीमारियों से लड़ने की शक्ति देता है और कोशिकाओं को क्षति से बचाता है। अध्ययन से यह भी सिद्ध हुआ कि जो लोग नियमित रूप से फल, सब्जियां और अनाज का सेवन करते हैं, उनमें बीपी, कोलेस्ट्रॉल, स्ट्रोक, हृदयाघात और टाइप 2 डायबिटीज जैसी बीमारियों का खतरा बहुत कम होता है।

होता है ईकोफ्रेंडली: प्लांट आधारित भोजन का एक और बड़ा लाभ यह है कि यह पर्यावरण की दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी है। मीट, मछली और अंडे जैसे पशु आधारित भोजन की तुलना में पौधों पर आधारित भोजन से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बहुत कम होता है। इसका सीधा संबंध जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संतुलन से है। हालांकि वैज्ञानिक दृष्टि से मेडिटेरेनियन आहार को दुनिया के कई देशों में स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है, परंतु उसमें मछली और चिकन का उपयोग होता है। इसके विपरीत वीगन आहार में किसी भी पशु उत्पाद यहां तक कि दूध का भी उपयोग नहीं किया जाता। इस दृष्टि से प्लांट आधारित या वीगन आहार स्वास्थ्य के साथ-साथ नैतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी अधिक उपयुक्त माना जाता है।

करना चाहिए प्रोत्साहित: अगर हम भारत की बात करें तो यहां लगभग 35 प्रतिशत लोग शाकाहारी हैं। वे अनाज, दालें, फल और सब्जियों को अपने भोजन में नियमित रूप से शामिल करते हैं। इनमें से कुछ लोग दूध और दुग्ध उत्पाद भी लेते हैं, जबकि लगभग 10 प्रतिशत लोग पूरी तरह वीगन डाइट लेते हैं। हालांकि चिंता की बात यह है कि भारत की शहरी आबादी का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा मधुमेह से पीड़ित है और ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्री डायबिटीज के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। धूम्रपान, तंबाकू सेवन, अस्वस्थ खान-पान और शारीरिक निष्क्रियता इस समस्या को और गंभीर बना रही हैं। अब समय आ गया है कि हमारे नीति निर्माता, स्वास्थ्य विशेषज्ञ और आम नागरिक प्लांट आधारित आहार के महत्व को समझें। विद्यालयों, कार्यस्थलों और अस्पतालों में प्लांट आधारित भोजन को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। लोगों को यह बताया जाना आवश्यक है कि मांस और तले हुए भोजन की जगह ताजे फल, सब्जिया, दालें और साबुत अनाज को अपनी थाली में शामिल करना फायदेमंद है। वर्तमान समय में जब जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, ऐसे में प्लांट आधारित भोजन केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की आवश्यकता है। यह न केवल रोगों से बचाव करता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और नैतिक जीवनशैली की दिशा में भी एक सशक्त कदम है। अब समय है कि हम अपने भोजन के प्रति सचेत हों। प्लांट आधारित भोजन को अपनाकर हम न केवल अपना स्वास्थ्य सुधार सकते हैं, बल्कि धरती को भी अधिक सुरक्षित और संतुलित बना सकते हैं। *

नवगीत
डॉ.माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

बेवा जैसी रातें

दिन पाए हैं ऊसर जैसा
बेवा जैसी रातें
काट रहे हैं हर लम्हे को
बेमन से अकुलाते।

जहर उगलते रहे हमेशा
समझे जिनको चंदन
व्यर्थ गई पूजा-उपासना
व्यर्थ गया हर वंदन
सारा जीवन होम कर दिया
फिर भी नहीं अघाते।

रोज हवाएं लाया करतीं
हैं खबरें भड़कीली
छाया है आतंक दिलों में
सबके पास है तीली
ताने मारा करती हैं अब
ऋतुएं आते-जाते।

मुंह में राम बगल में छुरी
लेकर सब चलते हैं
मान चुके हैं जिनको अपना
उनको भी खलते हैं
पीछे लोग किया करते हैं
किसिम-किसिम की बातें।

लघुकथाएं

कंपोस्ट

समाज सेवा के क्षेत्र में बृजेश जी के योगदान से प्रभावित वह उनसे मिलने उनके घर पहुंचा। लेकिन वहां पहुंचकर उसे बृजेश जी के व्यवहार और जीवनशैली में अलग ही रंग नजर आया।

दो सौ पांच .. दो सौ छह.. और यह दो सौ सात पता तो यही है, लेकिन यह मकान तो नहीं लग रहा।' मकान खोजते हुए मैं सोच रहा था। तभी नेमप्लेट पर नजर पड़ी- ब्रजेश आहूजा 'हम्म यही है।'

दरअसल, आठ-नौ वर्ष बाद मैं इस इलाके में आया था। इस बीच ये साधारण-सा घर न केवल सिंड्रेला की तरह कीमती लिबास पहन चुका था, बल्कि साथ वाले दो सौ आठ नंबर को डकार कर खासा मुटिया भी गया था। मकान की चार दीवारी के अंदर से झांकते अशोक के छोटे-छोटे पेड़ मानो, मुझे पहचानने की कोशिश कर रहे थे।

'जब मैं पिछली बार आया था तब तुम नहीं थे।' मैंने भी जतला दिया और घर के दरवाजे पर लगी घंटी बजा दी। ब्रजेश जी वर्षों से समाज-सेवा के लिए समर्पित हैं। गरीबों, बेसहारों और वंचितों के लिए तीन तो एनजीओ चलाते हैं, और इनके अतिरिक्त भी कई संस्थाओं के परामर्श-मंडल में शामिल हैं। आए दिन इस पुण्य कर्म हेतु पुरुस्कृत और सम्मानित भी होते रहते हैं। आज भी मैं अपनी संस्था द्वारा दिए जा रहे सम्मान का निमंत्रण लेकर ही उनके घर पर आया था।

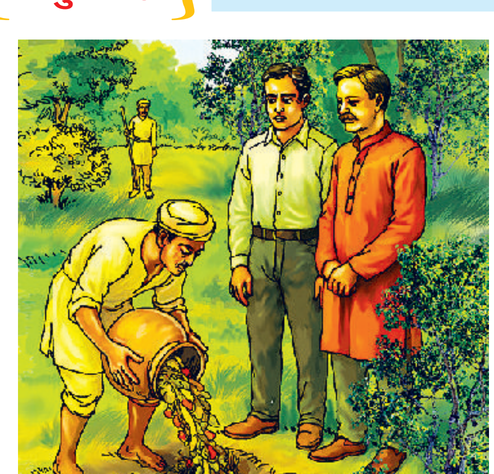

गेट खुलने में ज्यादा देर नहीं लगी। खोलने वाला अशोक के पेड़ों से पुराना था, सो उसने आदर से अंदर आने के लिए कहा। अंदर घुसते ही मकान के वैभव से थोड़ी चमत्कृत-सी आंखें इधर-उधर टोहने लगीं तो बृजेश जी अपने बगीचे के एक कोने में खड़े नजर आए। शाम के छह बज रहे थे। एयर कंडीशनर की ठंडी हवा खाने के अरमान को जब्त करते हुए मैंने बृजेश जी का अभिवादन किया और अपने चेहरे पर उभर आया पसीना पोंछते हुए यह बोल ही दिया, 'बृजेश जी! इतनी गर्मी में घर से बाहर यहां?'

'अरे! आओ-आओ मित्र! हम तो सेवक ठहरे। हमारे लिए क्या गर्मी वर्मी, वैसे कंपोस्ट बना रहे हैं। सरकार तो अब जागी है, हम तो कब से पर्यावरण के लिए प्रयासरत हैं।' उन्होंने सगर्व कहते हुए अपने सामने खोदे गए लगभग तीन फीट गहरे और ढाई फीट चौड़े एक गड्ढे की ओर संकेत किया। तभी घर के अंदर से उनका बावर्चीं एक थाली में सब्जियों और फलों के ढेर सारे छिलके लाया और उस गड्ढे में डाल कर चला गया। तब तक माली बगीची से बटोरी सूखी पत्तियां ले आया था। उसने वो पत्तियां उस गड्ढे में डालीं और फिर बृजेश जी के इशारे पर उस पर मिट्टी की एक मोटी परत लगा दी।

'ये जैविक कचरा भी न, बड़े काम का होता है। ये जो लहलहाती बगिया देख रहे हो न, ये इसी से बनी कंपोस्ट का कमाल हैं।' बृजेश जी मुझे बताने लगे। तभी, उनके सेकरेट्री ने एनजीओ के किसी विदेशी दानकर्ता के कॉल पर होने की सूचना देते हुए फोन उनके हाथों में पकड़ा दिया। वो फोन पर बात करते हुए 'हे..हे..' करते हंस रहे थे और मेरी नजर बगिया से हटकर अब उनकी आलीशान कोठी पर टिक गई थी। *

– शोभना श्याम

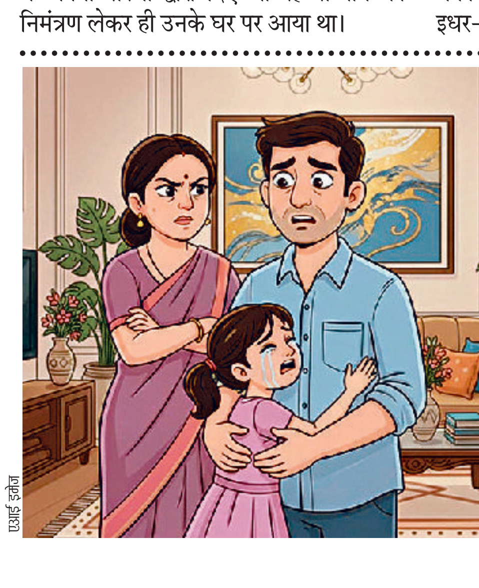
एआई इमेज

सच्चाई

देखो नीलिमा, मुझे गांव जाना ही पड़ेगा। पिताजी इस दुनिया में नहीं रहे। उनके अंतिम संस्कार में तो नहीं जा पाया था लेकिन अब तेरहवीं में तो कम से कम जाना ही पड़ेगा। अरे भई, दुनिया को दिखाने के लिए जाना ही पड़ेगा। वरना लोग मुझे क्या कहेंगे? तुम बेबी के बर्थ-डे पार्टी को अच्छी तरह अरेंज कर लेना।'

तभी आठ वर्षीया बेबी वहां दौड़ती हुई आई और पापा से लिपटते हुए बोली, 'पापा आप कहां जा रहे हैं, मेरी बर्थ-डे पार्टी में आप नहीं रहेंगे क्या?'

यह सुनकर नीलिमा ने क्रोध भरे स्वर में कहा, 'तुम्हारे पापा अपने पिताजी की मरनी में जा रहे हैं। इन्हें तो हमारी कोई फिक्र ही नहीं है। अरे ऐसे व्यक्ति के मरने-जीने से हमें कोई मतलब नहीं रखना चाहिए। तुम्हारे पिताजी ने अपनी पूरी जमीन-जायदाद तुम्हारे छोटे भाई के नाम कर दी। तुम्हें क्या मिला? फिर भी तुम पिता की तेरहवीं में जाने के लिए परेशान हुए जा रहे हो।' अपने दादाजी के लिए मम्मी के मुंह से कटु वचन सुनकर बेबी को अच्छा नहीं लगा। वह रोते हुए अपनी मम्मी से बोली, 'दादाजी कितने अच्छे थे। एक बार यहां आए थे तो मुझे और चीकू भैया को कितना प्यार करते थे। हमें अच्छी-अच्छी कहानियां सुनाया करते थे। मैं भी पापा के साथ गांव जाऊंगी।'

नीलिमा ने गुस्से में कहा, 'बेबी तुम कहीं नहीं जाओगी। तुम्हारा बर्थ-डे है न। गांव में तुम्हारे पापा, चाचा सब देख लेंगे।'

'मम्मी, आप इसलिए नाराज हो न दादाजी से कि उन्होंने पापा को जमीन नहीं दिया। चाचू को सब दे दिया। पर दादाजी क्या करते। आप लोग तो दादाजी को यहां बुलाते भी नहीं थे, न ही गांव उनसे मिलने जाते थे। चाचू तो दादाजी को हॉस्पिटल ले जाते थे, उनकी अच्छी तरह देखभाल करते थे।'

कुछ ठहरकर बेबी ने बड़ी मासूमियत से पूछा, 'मम्मी, क्या पापा के मरने पर चीकू भैया भी नहीं आएंगे।' यह सुनकर बेबी के मम्मी-पापा अवाक रह गए। *

-डॉ. शैल चंद्रा

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रकृति से आबद्ध काव्याभिव्यक्तियां

वर्तमान हिंदी काव्य परिदृश्य में ज्ञानेंद्रपति, वरिष्ठतम पीढ़ी के प्रतिष्ठित कवियों में शामिल हैं। वह जीवन-संवेदना की जिस भावभूमि पर उतरकर कविता रचते हैं, उनकी अभिव्यक्ति दार्शनिक आख्यान बन जाती है। इस बात को प्रमाणित करती हैं, हाल में छप कर आए उनके नवीनतम कविता संग्रह 'प्रकृति और कृति' की कविताएं।

यहां उनकी कविताओं में प्रकृति के तमाम घटक सहजता से आवाजाही करते हैं और हमें कुदरत को देखने का सर्वथा नवीन दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। *'तुम चले गए/और तुम्हारे साथ मेरे जीवन का संगीत चला गया।'* (एक चिड़े के लिए अशोक गीत) और *'निफूले जीवन में भी/ किसी फूल की सुगंध उठकर/नथुनों तक आती है/कभी कभी'* (चुपचाप) जैसी पंक्तियां इस बात का सघनता से अहसास कराती हैं कि प्रकृति से दूर होकर हमारा जीवन, निरंतर जीवंतता खोता जा रहा है। कितने मनोहारी और आनंदमयी अनुभूतियों से हम वंचित होते जा रहे हैं। कुछ कविताओं में वे बिल्कुल अलग तेवर में अपनी बात को पूरी सशक्तता से हमारे सामने रखते हैं। *'किताबें मनुष्यता की रीढ़ की उदग्र हड्डी बन चुकी हैं/ कोई भी अमानुषिक ताकत जिसे क्षत-विक्षत कर ले/क्षैतिज नहीं कर सकती।'* (मनुष्यता की रीढ़) *

पुस्तक: प्रकृति और कृति (कविता संग्रह), **रचनाकार:** ज्ञानेंद्रपति, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

ग्रीन-अमेजिंग विंटर डेस्टिनेशंस

गर्मी के मौसम में घूमने के लिए तो आप हिल स्टेशंस जाते ही हैं। लेकिन अगर विंटर वेकेशंस में टूरिज्म की प्लानिंग कर रहे हैं तो आप कुछ ऑफबीट लेकिन खूबसूरत स्थलों का रुख कर सकते हैं। यहां की ग्रीनरी और नेचुरल टच आपको कभी न भूलने वाला अनुभव प्रदान करेंगे।

वाहनों के प्रदूषण से मुक्त माथेरान, महाराष्ट्र

टूरिस्ट प्लेसेस

शिखर चंद जैन

अगर आप शहरी भीड़-भाड़, शोरगुल और भाग-दौड़ से कुछ दिनों की छुट्टी चाहते हैं तो इस बार सर्दी की छुट्टियों में रुख करिए कुछ अल्पज्ञात मगर शांत, प्रकृति की गोद में बसे हरे-भरे विंटर डेस्टिनेशंस की ओर। यहां आपको सुकून और शांति का अहसास होगा।

हरा-भरा शीतलाखेत, उत्तराखंड: उत्तराखंड के अल्मोड़ा में स्थित शीतलाखेत एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह हिमालयी गांव अपने मनोरम कुमाऊंनी दृश्यों और शांत माहौल के लिए जाना जाता है। शीतलाखेत, प्रसिद्ध टूरिस्ट प्लेस रानीखेत के पास स्थित एक उभरता हुआ पर्यटन स्थल है। इस क्षेत्र में आने वाले मुख्य पर्यटक ट्रैकर्स ही होते हैं। यहां की सभी गतिविधियां पर्यावरण के अनुकूल होती हैं। शहरों के लोग वहां के प्रदूषण से दूर, एक सुकून भरी छुट्टी बिताने के लिए शीतलाखेत आते हैं।

हरा-भरा हिल स्टेशन शीतलाखेत, उत्तराखंड

कश्मीर जैसा दरिंगबाड़ी, ओडिशा: दरिंगबाड़ी, ओडिशा के पूर्वी घाट का एक हिस्सा है, जो कंधमाल जिले में स्थित है। यह राजधानी भुवनेश्वर से 251 किलोमीटर दूर है। यह हिल स्टेशन छोटी-छोटी हरी-भरी पहाड़ियों, नदियों और झरनों से भरा है। इस क्षेत्र में चीड़ और साल के पेड़ बहुतायत में हैं। यहां आपको कॉफी के बागान भी देखने को मिलेंगे। दारिंगबाड़ी को प्राकृतिक सुंदरता के कारण ओडिशा का कश्मीर कहा जाता है। यह ओडिशा के ग्रीन कूल पर्यटन स्थलों का नया चेहरा है। प्रकृति के संरक्षण के लिए यहां कई पार्क और रिजर्व बनाए गए हैं। स्थानीय समुदायों ने पर्यटकों को क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों के बारे में बताने के लिए जगह-जगह प्रकृति शिविर बनाए हैं। सर्दियों के शुरुआती महीने, दरिंगबाड़ी घूमने के लिए आदर्श समय माना जाता है।

दक्षिण का चेरापूंजी अगुंबे, कर्नाटक: कर्नाटक के शिमोगा जिले में स्थित, अगुंबे एक छोटा-सा गांव है। इसे दक्षिण भारत का चेरापूंजी भी कहा जाता है। जैव विविधता से भरपूर इस क्षेत्र में दक्षिण भारत में सबसे ज्यादा वर्षा होती है और भारत में दूसरी सबसे ज्यादा वार्षिक वर्षा होती है। यह हिल स्टेशन मनोरम सुंदरता और ट्रैकिंग ट्रेल्स से भरपूर है। यह अंतिम जीवित निचले वर्षा वनों में से एक है। अगुंबे ही टीवी धारावाहिक 'मालगुडी डेज' में भारत के बेहद प्रसिद्ध काल्पनिक शहर मालगुडी का वास्तविक दृश्य था। यह मिरिस्टिका, लिस्टेसिया, गार्सिनिया, डायोस्पायरोस, यूजेनिया आदि औषधीय पौधों की कुछ दुर्लभ प्रजातियों का घर है। इसलिए इसे 'हसिरु होन्नू' उपनाम मिला है, जिसका अर्थ है हरा सोना।

कश्मीर जैसी मनमोहक वादियों वाला दरिंगबाड़ी, ओडिशा

एक विशाल वर्षा वन और विविध वनस्पतियों और जीवों का घर होने के कारण, अगुंबे में अगुंबे वर्षावन अनुसंधान केंद्र स्थित है। यह भारत का सबसे पुराना मौसम केंद्र है, जो वर्षावन क्षेत्रों में होने वाले किसी भी बदलाव पर विशेष नजर रखता है। अगुंबे को 'कोबरा राजधानी' भी कहा जाता है क्योंकि यहां बड़ी संख्या में कोबरा पाए जाते हैं।

भरपूर बारिश के लिए प्रसिद्ध अगुंबे, कर्नाटक

वाहन मुक्त माथेरान, महाराष्ट्र: महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में पश्चिमी घाट की सह्याद्री पर्वत श्रंखलाओं के बीच स्थित माथेरान एक आकर्षक और लोकप्रिय हिल स्टेशन है। समुद्र तल से लगभग 2,625 फीट की ऊंचाई पर बसा यह स्थान अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और प्रदूषण मुक्त पर्यावरण के लिए जाना जाता है। माथेरान को एशिया का एकमात्र ऑटोमोबाइल मुक्त (वाहन-मुक्त) हिल स्टेशन होने का गौरव प्राप्त है, जिसका अर्थ है कि यहां किसी भी प्रकार के मोटर वाहन प्रतिबंधित हैं। यहां पर्यटक पैदल, घोड़ों पर या हाथ से खींची जाने वाले रिक्शा से घूम सकते हैं। माथेरान कई मनमोहक पॉइंट्स के लिए प्रसिद्ध है। यहां का पैनोरमा पॉइंट 360 डिग्री का विहंगम दृश्य प्रस्तुत करता है और सूर्योदय, सूर्यास्त दृश्य के लिए बहुत लोकप्रिय है। ईको पॉइंट पर गूंजती आवाजें सुनी जा सकती हैं। लुईसा पॉइंट और किंग जॉर्ज पॉइंट अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए जाने जाते हैं। यहां मौजूद शार्लोट लेक एक शांत झील है, जिसके आस-पास लोग खूब पिकनिक मनाने आते हैं। माथेरान की यात्रा का मुख्य आकर्षण नेरल से माथेरान तक चलने वाली प्रसिद्ध नैरो-गेज 'टॉय ट्रेन' है। लगभग 21 किलोमीटर लंबी यह रेल यात्रा घने जंगलों और घुमावदार रास्तों से होकर गुजरती है, जो यात्रियों को एक अद्भुत और यादगार अनुभव देती है। माथेरान मुंबई से लगभग 100 किमी और पुणे से 120 किमी की दूरी पर स्थित है। निकटतम रेलवे स्टेशन नेरल है, जहां से टॉय ट्रेन या टैक्सी द्वारा माथेरान के प्रवेश द्वार तक पहुंचा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों और शहर की भाग-दौड़ से दूर शांति की तलाश करने वाले पर्यटकों के लिए, माथेरान एक परफेक्ट डेस्टिनेशन हैं।

सबसे बड़ा नदी द्वीप माजुली, असम: माजुली, असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर स्थित दुनिया का सबसे बड़ा नदी द्वीप है। माजुली और राज्य की राजधानी गुवाहाटी के बीच की दूरी 347 किलोमीटर है। यहां मौजूद ग्रामीण भारत के मनोरम दृश्य दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करते हैं। यह द्वीप एक प्रदूषण-मुक्त क्षेत्र है। माजुली द्वीप हाल ही में सुर्खियों में आया था क्योंकि तेज कटाव के कारण यह डूबने की कगार पर पहुंच गया था। स्थानीय सरकार ने द्वीप पर एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। प्राकृतिक सुंदरता के अलावा, इस द्वीप में कई सांस्कृतिक और धार्मिक इमारतें भी स्थित हैं। k

---

जलेबी बहुत लोकप्रिय मिठाई है, जो देश के कई इलाकों में खूब पसंद की जाती है। लेकिन इससे कई गुना बड़ा और भारी जलेबा कुछ ही स्थानों पर मिलता है। जलेबी और उसके बड़े भाई जलेबा से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

रसभरी जलेबी का बड़ा भाई जलेबा

रोचक

अभिव्यक्ति त्रिवेदी

जलेबी तो आप सभी ने जरूर खाई होगी। बाहर से कुरकुरी और भीतर से रसभरी जलेबी भला किसे पसंद नहीं होगी। लेकिन क्या आप जानते हैं जलेबी का एक भाई भी है, जिसे कहते हैं जलेबा।

पहले बात जलेबी की: जलेबी हर वर्ग के लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय व्यंजन है। स्वाद में मीठी, कुंडलाकार जलेबी भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान, ईरान के साथ लगभग सभी अरब देशों में खाई जाती है। जलेबी के इतिहास की बात करें तो इसकी शुरुआत किसी इस्लामिक देश से मानी जाती है। मध्यकालीन किताब 'किताब-अल-तबीक' में भी 'जलाबिया' नामक मिठाई का उल्लेख मिलता है, जो अरेबिक शब्द है। फारसी में इसे 'जलिबिया' कहते हैं। 10वीं शताब्दी की अरेबिक पाक कला किताब में भी 'जुलुबिया' बनाने की कई रेसिपीज का उल्लेख मिलता है। इतिहासकारों की मानें तो जलेबी 500 साल पहले, जब तुर्की आक्रमणकारी भारत आए थे तब, हिंदुस्तान में पहुंची थी। जुलुबिया, जो अब जलेबी के नाम से जानी जाती है, एक मिठाई है। इसे मूल रूप से ईरान में इसी नाम से जाना जाता था। यह मध्यकाल में तुर्की और फारसी व्यापारियों के साथ भारत आई और धीरे-धीरे भारत में एक लोकप्रिय मिठाई बन गई। 10वीं शताब्दी के एक अरबी ग्रंथ में भी इस मिठाई का उल्लेख है, जिसमें इसे 'जलाबिया' कहा गया है।

कई नाम हैं प्रचलित: श्रीलंका में इसे 'पानी वलालु' कहते हैं, जो उड़द और चावल के आटे से बनती है। भारत के उत्तर-पश्चिम में इसे जलेबी, महाराष्ट्र में जिलबी तथा बंगाल और बांग्लादेश में 'जिलपी' कहा जाता है। ईरान के अलावा ट्यूनीशिया में इसे 'जष्लबिया' के नाम से जाना जाता है, वहीं नेपाल में इसे 'जेरी' कहते हैं।

कई रूपों में प्रसिद्ध: भारत के लगभग हर कोने में जलेबी बहुत लोकप्रिय है, लेकिन यह उत्तर भारत, पश्चिम बंगाल और बिहार में विशेष रूप से पसंद की जाती है। मध्य प्रदेश के जबलपुर में 'खोया जलेबी' प्रसिद्ध है तो आंध्र प्रदेश के तेनाली में गुड़ की जलेबी लोकप्रिय है, जिसे 'वेल्लम जिलेबी' कहा जाता है। गुजरात में 'जलेबी-फाफड़ा' नाश्ते के तौर पर बहुत प्रचलित है। भारत की तरह ही, पाकिस्तान, बांग्लादेश, ईरान और कई अरब देशों में भी जलेबी को बहुत पसंद किया जाता है।

ऐसे बनाते-खाते हैं जलेबी: जलेबी बनाने में मैदा, यीस्ट यानी खमीर, घी या तेल, शक्कर और पानी का इस्तेमाल किया जाता है। इनके अलावा पनीर जलेबी, आलू की जलेबी, मावा-खोया जलेबी आदि कई प्रकार की जलेबियां मार्केट में उपलब्ध हैं। कई शहरों में इसे पोहा-जलेबी, रबड़ी जलेबी, दूध-जलेबी आदि कई तरह से खाया जाता है।

लाजवाब होता है जलेबा: अपने देश में कुछ जगहों पर और खास अवसरों पर बड़े आकार की जलेबी, जिसे जलेबा कहते हैं, बहुत लोकप्रिय है। जलेबी और जलेबा में मुख्य अंतर उनके आकार और गाढ़ेपन का होता है। एक जलेबा करीब 250 ग्राम वजन का हो सकता है। जलेबा एक सामान्य जलेबी का विशाल और मोटा संस्करण यानी 'किंग साइज' संस्करण होता है, जिसका हर टुकड़ा काफी बड़ा होता है। इसे पकने और चाशनी में पूरी तरह भीगने के लिए ज्यादा समय तक तला जाता है, जबकि जलेबी पतली और कुरकुरी होती है।

कुछ ही जगह मिलता है जलेबा: जलेबा कुछ ही जगहों पर मिलता है। भारत की धार्मिक राजधानी बनारस में भादो महीने में रतजगा पर्व के अवसर पर जलेबा मिलता है। वहां के भरतपुर, झंझोर, उदार, बरवा सहित कई गांवों में जलेबा की दुकानों पर शाम होते ही भीड़ लग जाती है। इसके अलावा दीपावली के अवसर पर पुरानी दिल्ली के कुछ इलाकों में, हरियाणा के मेवात में भी जलेबा बनाया और चाव से खाया जाता है। k

---

विशिष्ट पेड़

वीना गौतम

स्वास्थ्य-आर्थिक लाभ दिलाए एवोकेडो का पेड़

एवोकेडो (वानस्पतिक नाम-पर्सिया अमेरिकाना) मूल रूप से मध्य अमेरिका, विशेष रूप से मैक्सिको, ग्वाटेमाला और पेरू में पाया जाने वाला पेड़ है, जो सन 1900 के आस-पास भारत में अंग्रेजों के जरिए आया था। तब से कई दशकों तक यह एक सजावटी फल के रूप में केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक तक ही सीमित रहा। 60 के दशक के बाद से लोगों ने इसके महत्व को जानना-समझना शुरू किया। अपनी न्यूट्रीशन वैल्यू के कारण एवोकेडो का फल सुपरफूड के रूप में दिनों-दिन विख्यात होता गया और इसकी डिमांड दिन-ब-दिन बढ़ती गई।

अनुकूल भौगोलिक स्थितियां: एवोकेडो लगभग 18 से 28 डिग्री सेंटीग्रेड यानी मध्यम तापमान वाले वातावरण में अच्छी तरह फूलता-फलता है। इसलिए इसे उत्तर और मध्य भारत के ऐसे इलाकों में उगाया जा सकता है, जहां कड़ी ठंड या भीषण गर्मी नहीं पड़ती। मसलन उत्तराखंड के हलद्वानी, काशीपुर, उधमसिंह नगर आदि में इसकी खेती की जा सकती है। इसके अलावा हिमाचल के निचले हिस्सों में, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में एवोकेडो की खेती की जाती है।

ध्यान रखने योग्य बातें: एवोकेडो का पौधा फरवरी-मार्च या अगस्त-सितंबर के बीच रोपना चाहिए। पहले 15 से 20 दिन में लगातार सिंचाई करनी चाहिए। जनवरी से जून के बीच जब फल लगने का समय होता है, उस समय इस पेड़ को लगातार सींचना चाहिए, नहीं तो फल सूखकर गिर जाते हैं। पेड़ के इर्द-गिर्द मलचिंग करनी चाहिए ताकि नमी बनी रहे और खरपतवार न बनें।

किसानों के लिए है फायदे का सौदा: एवोकेडो की बढ़ती मांग के कारण आज इसका बाजार मूल्य 300 से 400 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गया है। यही कारण है कि एवोकेडो की फसल भारत में किसानों के लिए फायदेमंद 'कैश क्रॉप' रूप में उभरी है। आमतौर पर एवोकेडो का पेड़ तीन से चार साल के बीच में फल देना शुरू कर देता है। अच्छी तरह विकसित एवोकेडो का एक पेड़ औसतन 80 से 150 किलोग्राम फल हर वर्ष देता है। अगर एक एकड़ में एवोकेडो के 100 पेड़ लगा लिए जाएं तो किसान को हर साल औसतन 2 से 8 लाख रुपए की कमाई आसानी से हो सकती है। k

---

इंवेंशन

डॉ. दीपक कोहली

भविष्य में ग्रीन एनर्जी उत्पादन में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है आर्टिफिशियल लीफ। इस दिशा में देश-विदेश में लगातार प्रयोग किए जा रहे हैं। इस बारे में आप भी जानिए।

ग्रीन एनर्जी का फ्यूचर आर्टिफिशियल लीफ

आज विज्ञान और नवाचार का युग है। बदलते परिवेश में जब पूरी दुनिया ऊर्जा संकट, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, तब वैज्ञानिक नई दिशाओं की खोज में जुटे हैं। इसी खोज की परिणति है, कृत्रिम पत्ता या आर्टिफिशियल लीफ। यह एक ऐसा आविष्कार है, जो मानव सभ्यता को स्वच्छ, सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा प्रदान करने की दिशा में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकता है।

पेड़ों के हरे पत्ते जब सूर्य के प्रकाश की ऊर्जा को उपयोग में लाते हुए कार्बन डाइऑक्साइड और जल से भोजन बनाते हैं, तो उस प्रक्रिया को प्रकाश संश्लेषण कहा जाता है। इस प्रक्रिया में सूर्य की ऊर्जा रासायनिक ऊर्जा में परिवर्तित हो जाती है। यही सिद्धांत आर्टिफिशियल लीफ का आधार बना। यह एक ऐसा उपकरण है, जो सूर्य की किरणों की सहायता से जल को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित करता है।

ऐसे करता है काम: आर्टिफिशियल लीफ या कृत्रिम पत्ते का ढांचा सामान्य पत्ते जैसा ही होता है, किंतु इसमें विशेष प्रकार के प्रकाश-संवेदी पदार्थ और उत्प्रेरक धातुएं लगाई जाती हैं, जो सूर्य की ऊर्जा को अवशोषित कर रासायनिक अभिक्रियाएं प्रारंभ करती हैं। इस प्रक्रिया में जब सूर्य का प्रकाश कृत्रिम पत्ते पर पड़ता है, तो यह जल के अणुओं को विभाजित कर देता है। परिणामस्वरूप हाइड्रोजन और ऑक्सीजन उत्पन्न होती है। प्राप्त हाइड्रोजन को संग्रहित कर स्वच्छ ईंधन के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

विदेशी विवि में हुए प्रयोग: सबसे पहले हार्वर्ड विश्वविद्यालय (अमेरिका) के वैज्ञानिकों ने आर्टिफिशियल लीफ का सफल प्रयोग किया। उन्होंने सिलिकॉन और निकिल जैसे तत्वों का उपयोग करके ऐसा उपकरण बनाया, जो साधारण सूर्य के प्रकाश में भी जल को विभाजित करने में सक्षम था। इसके बाद मैसाचुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईटी), कैंब्रिज विश्वविद्यालय और टोक्यो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने भी इस दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया।

भारत में भी हो रहे अनुसंधान: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा कृत्रिम पत्ता विकसित किया है, जो बहुत कम सूर्य प्रकाश में भी काम कर सकता है। यह पानी से हाइड्रोजन उत्पन्न करता है। इसी प्रकार भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंग्लुरू ने कृत्रिम पत्तों में नैनो-प्रौद्योगिकी का उपयोग कर उनकी कार्यक्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है। उनके द्वारा विकसित कृत्रिम पत्ते पर्यावरणीय कारकों, जैसे तापमान और आर्द्रता के बावजूद स्थिर रहते हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली और राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे भी इस दिशा में निरंतर कार्यरत हैं।

भविष्य के लिए उपयोगी: आज दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती है, ऊर्जा का बढ़ता हुआ उपभोग और घटते पारंपरिक स्रोत। कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे स्रोत सीमित हैं और प्रदूषण के बड़े कारण भी। इसके विपरीत, आर्टिफिशियल लीफ सूर्य की असीम ऊर्जा का उपयोग करती है, जो निःशुल्क और अनंत है। यदि इस तकनीक का बड़े पैमाने पर उत्पादन और उपयोग संभव हो सका, तो आने वाले समय में हर घर स्वयं अपनी ऊर्जा उत्पन्न कर सकेगा। k

---

सिने ट्रेंड

मनोज प्रकाश

फूल अपनी खूबसूरती, सुगंध और मोहकता के लिए जाने जाते हैं। हिंदी फिल्मों में भी फूलों ने नायिकाओं की खूबसूरती में चार चांद लगाने में बड़ी भूमिका निभाई है। साथ ही फिल्मी गीतों और सीस को रूमानी बनाने में भी फूलों का अहम रोल रहा है। हिंदी फिल्मों और फूलों के कनेक्शन पर एक नजर।

फूलों से खूब निखरती रही है फिल्मी एक्ट्रेसेस की खूबसूरती

अधिकांश फूल अपने-आप में इतने सुंदर-मोहक होते हैं कि उन्हें देखकर मन प्रफुल्लित हो उठता है। उस पर जब कोई फिल्म अभिनेत्री अपने बालों में कोई फूल या फूलों का गजरा लगा ले तो उनकी खूबसूरती में मानो चार चांद लग जाते हैं। नरगिस से लेकर नरगिस फाखरी तक, हेलन से हेमा मालिनी तक, रेखा से राखी तक, मीना कुमारी से मुमताज तक, शर्मिला टैगोर से शिल्पा शेट्टी तक, माला सिन्हा से माधुरी दीक्षित तक। चाहे किसी भी पीढ़ी की अभिनेत्री रही हों, सभी ने अपनी सुंदरता बढ़ाने के लिए फूलों को न सिर्फ अपने बालों में लगाया बल्कि उनकी रंगत इस तरह बिखेरी कि हर दौर में दर्शक उनके जलवों के कायल होते रहे हैं। फिल्म निर्माता-निर्देशकों के लिए फूल सदियों से प्रेरणा का सबब रहे हैं। हर रंग, हर तरह के फूल फिल्मी दृश्यों की सुंदरता, नजाकत और काव्यात्मकता को बढ़ा देते हैं।

'हरियाली और रास्ता' में माला सिन्हा-मनोज कुमार

'आराधना' में ' शर्मिला टैगोर के साथ राजेश खन्ना

फूलों से बढ़ती है दृश्यों की खूबसूरती: फिल्मी दृश्यों में अगर फूलों के बाग हों, तो नायक-नायिका की रोमांटिक उपस्थिति इनसे और बढ़ जाती है। गीत या फिर किसी दृश्य में अगर फूल नजर आते हैं, तो उनकी सुंदरता कई गुना बढ़ जाती है। इसके एक नहीं कई उदाहरण हैं। राखी और शशि कपूर पर फिल्माए गए गीत 'ओ मेरी शर्मीली' (शर्मीली) में गुलाब की रौनक है, तो शर्मिला टैगोर-राजेश खन्ना पर फिल्माए गए गीत 'कोरा कागज था ये मन मेरा' (आराधना) को और भी रोमांटिक किया है डहेलिया के फूलों ने। एवरग्रीन गीत 'मेरे सपनों की रानी कब आएगी तू' (आराधना) में राजेश खन्ना, सुजीत कुमार जब चलती ट्रेन में बैठी शर्मिला टैगोर को छेड़ते हैं, तो शर्मिला के बालों में लगे छोटे-छोटे लाल फूल सारे माहौल को रंगीन कर देते हैं। दरअसल, फूल कोई भी हो, अगर उसे करीने से लगाया और प्रस्तुत किया जाए तो वह नायिका की खूबसूरती और गीतों-दृश्यों की रूमानियत को और भी बढ़ा देता है।

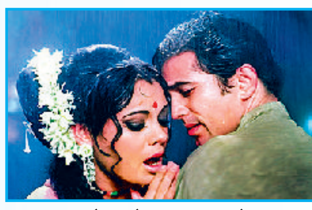

'अपना देश' में मुमताज-राजेश खन्ना

मुमताज का यूनीक गजरा-स्टाइल: मुमताज ऐसी अभिनेत्री रही हैं, जो अपनी स्टाइलिंग के कारण आज भी युवा पीढ़ी के लिए फैशन आइकॉन हैं। राजेश खन्ना-मुमताज की फिल्म 'अपना देश' के गीत 'कजरा लगा के, गजरा सजा के बिजुरी गिरा के जइयो न' में मुमताज ने जिस तरह से बेला के फूलों से बना गजरा लगाया, वह आज भी अनेक महिलाओं के लिए एक मानक बना हुआ है। आज भी शादी या किसी अन्य समारोह में जब कोई महिला गजरा लगाती है, तो ज्यादातर उसका स्टाइल मुमताज जैसा ही होता है। इसी फिल्म का एक अन्य गीत है, 'सुन चंपा, सुन तारा, कोई जीता, कोई हारा' जिसमें मुमताज अपने चिर-परिचित अंदाज में अभिनय की रौनक बिखेरती हैं। उनके साथ-साथ कोरस गाने वाली साइड आर्टिस्ट्स ने भी बालों में फूल लगाए हैं। पूरे गीत में बालों में लगे फूलों से जो समा बंधा है, वह देखते ही बनता है।

'शर्मीली' के एक गीत में राखी-शशि कपूर

1973 में आई फिल्म 'लोफर' में फरीदा जलाल की शादी में लाल शरारा कुर्ते पर बालों में गजरा लगाकर मुमताज ने बता दिया कि अगर फूलों का गजरा लगाना हो, तो स्टाइल क्या होगी। इसी फिल्म के सुपरहिट गीत 'मैं तेरे इश्क में मर न जाऊं कहीं' में उन्होंने फूलों के प्रिंट से सजी साड़ी पर सफेद गुलदाउदी लगाकर दर्शकों को अपना दीवाना बना लिया था।

फूलों से निखरी इनकी भी खूबसूरती: 'आज मैं जवान हो गई हूं' (मैं सुंदर हूं) गीत में लीना चंदावरकर, 'पल-पल दिल के पास कोई रहता है' (ब्लैकमेल) में राखी की खूबसूरती और उनकी उपस्थिति को फूलों ने और भी सुंदर-मोहक बना दिया। फिल्म 'हरियाली और रास्ता' में मनोज कुमार और माला सिन्हा पर फिल्माया गया गीत 'बोल मेरी तकदीर में क्या है' में माला सिन्हा ने अपने बालों को गुलदाउदी से इस प्रकार से सजाया है कि उनकी मंद-मंद मुस्कान की मोहकता और भी बढ़ गई। आगे चलकर साल 1992 में रिलीज फिल्म 'तहलका' के 'दिल दीवाने का डोला दिलदार के लिए' में अभिनेत्री ने अपनी पूरी चोटी को फूलों में गुंथकर ऐसा स्टाइल बनाया कि सालों तक यह फैशन शादियों में दुल्हन के सिर चढ़कर बोला।

'ब्लैकमेल' में राखी के साथ धर्मेंद्र

फूलों वाले ये सदाबहार गीत: बात फिल्म और फूलों की चली है तो यहां एक और बात का जिक्र करना जरूरी हो जाता है। हिंदी फिल्मों में जहां एक ओर अभिनेत्रियों ने अपनी हेयर स्टाइलिंग के लिए फूलों का प्रयोग किया, तो शायरों/गीतकारों ने अपने गीतों में फूलों का खूब और बखूबी इस्तेमाल किया, कभी सीधे-सीधे तो कभी प्रतीक के रूप में। 'आरजू' फिल्म का गीत 'ऐ फूलों की रानी बहारों की मलिका', 'सूरज' का गीत 'बहारो फूल बरसाओ, मेरा महबूब आया है', 'सरस्वती चंद्र' का 'फूल तुम्हें भेजा है खत में', 'प्रेम पुजारी' का 'फूलों के रंग से' जैसे तमाम ऐसे गीत हैं, जो आज भी महफिलों में बजते हैं। सोशल मीडिया के दौर में भी इन सदाबहार गीतों पर खूब वीडियोज बनाए जाते हैं और समय-समय पर ये गाने ट्रेंड भी करते हैं। k